तापमान

अधिकतम 28.2 डिग्री

न्यूनतम 13.4 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, मंगलवार 18 नवंबर 2025

12 सीएम साय बोले- शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है...

12 छत्तीसगढ़ में दो दिन में सवा लाख क्विंटल धान खरीदी...

ठंड में स्वेटर पहनने की छूट देगा व्यापम, हल्का रंग व आधी बांह जरूरी नहीं, लेकिन ना हो जेब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

व्यावसायिक परीक्षा मंडल अभ्यर्थियों को ठंड के मौसम में स्वेटर पहनने की छूट देगा। सर्दियों के मौसम में होने वाली भर्ती परीक्षाओं के लिए व्यापम ने पृथक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रदेशभर में तापमान में आई कमी और सुबह के समय पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। व्यापम ने जारी निर्देश में कहा है कि अभ्यर्थियों को ठंड के मौसम के दौरान स्वेटर पहनने की छूट होगी। इसमें रंग और आधी बांह की अनिवार्यता नहीं रहेगी। अर्थात अभ्यर्थी पूरी बांह के और गहरे रंग स्वेटर भी पहन सकेंगे, लेकिन इसमें कहीं भी किसी तरह की जेब नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा जांच के दौरान परीक्षार्थियों को अपना स्वेटर उतारकर दिखाना होगा। इन शर्तों के साथ ही परीक्षार्थियों को स्वेटर पहनने की अनुमति होगी। इसके अतिरिक्त स्वेटर के भीतर पहने जाने वाले वस्त्रों पर ड्रेसकोड लागू रहेगा। अर्थात हल्के रंग और आधी बांह के कपड़े ही स्वेटर के भीतर पहनने होंगे। व्यापम की परीक्षाएं सुबह 11 बजे से प्रारंभ होती है। मुख्य द्वार 10.30 बजे बंद कर दिया जाता है। परीक्षार्थियों को एक घंटे पहले पहुंचने की सलाह व्यापम द्वारा दी जाती है। ऐसे में कैंडिडेट्स को सुबह से ही घर से निकलना पड़ता है। अंबिकापुर सहित कई क्षेत्रों में तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। ऐसे में अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है।

गिरते तापमान को देखते हुए व्यापम का फैसला, जारी हुए नए दिशा-निर्देश

विवाद के बाद जारी हुए थे रंग

व्यापम द्वारा पूर्व में जारी निर्देशों में केवल हल्के रंग के वस्त्र परीक्षार्थियों को पहनने की अनुमति दी गई थी। इस आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया था कि हल्के रंगों में कौन से रंग को गिना जाएगा। इस कारण लगभग प्रत्येक परीक्षा के पूर्व विवाद की स्थिति निर्मित हो रही थी। इसे देखते हुए व्यापम ने कुछ दिनों पूर्व आदेश जारी कर स्पष्ट किया था कि हल्के रंग की श्रेणी में कौन से रंगों को रखा जाएगा। शीतकाल में स्वेटर को लेकर विवाद निर्मित ना हो, इसलिए पहले ही आदेश जारी कर दिया गया है।

स्वेटर के भीतर पहननी होगी आधी बांह और हल्के रंग की पोशाक

पैर में चप्पल ही

ठंड से बचने के लिए परीक्षार्थी जूते अथवा मोजे नहीं पहन सकेंगे। फूटवेयर के संदर्भ में व्यापम के दिशा-निर्देश पूर्ववत ही हैं। परीक्षार्थियों को चप्पल पहनकर ही परीक्षा दिलानी होगी। अन्य नियम भी पूर्ववत ही हैं। व्यापम की आगामी परीक्षाओं से ये नियम लागू होंगे।

खबर संक्षेप

फरार गांजा तस्कर ओडिशा से गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा पुलिस ने एक फरार गांजा तस्कर को ओडिशा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खमतराई के हिस्ट्रीशीटर उदय जैन को धर-दबोचा है। टिकरापारा पुलिस 5 नवंबर को कमल विहार के एक मकान में छापा मारकर दो लाख 30 हजार रुपए कीमत का 23 किलो गांजा जब्त कर गांजा तस्करी करने के आरोप में प्रतीक शर्मा, मोहम्मद शमीम, शेख सारूख उर्फ शाहरूख, पलक नागवानी उर्फ मिस बच्ची को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर चुकी है। उदय के खिलाफ पूर्व में एनएसए तथा पिट एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई हो चुकी है।

गाली-गलौज से रोकने पर युवक से मारपीट

रायपुर। गंज थाने में एक युवक ने दूसरे युवक के खिलाफ गाली-गलौज करने से मना करने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुढ़ियारी निवासी आनंद यादव ने आकाश ठाकुर के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। आनंद ने पुलिस को बताया कि रविवार को हुए विवाद के चलते आकाश उसकी पत्नी के साथ गाली-गलौज कर रहा था।

पुरानी रंजिश के चलते युवक को पीटा, केस दर्ज

रायपुर। सरस्वती नगर थाने में एक युवक ने दो अन्य युवकों के खिलाफ आपसी रंजिश के चलते मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुढ़ियारी निवासी इंद्रजीत वर्मा ने कान्हा सोना, छोटू उर्फ जय साहू के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। इंद्रजीत ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर के पास खड़े होकर सिगरेट पी रहा था। कान्हा तथा छोटू इंद्रजीत को अपने साथ सैर कराने ले जाने का बहाने अपनी गाड़ी में कोटा ले गए। वहां दोनों लड़कों ने इंद्रजीत से पुराने विवाद को लेकर झगड़ा कर मारपीट की।

शराबियों ने परिवार के साथ की मारपीट

रायपुर। उरला थाने में एक युवक ने चार लड़के तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिरगांव निवासी दिलीप गहरे ने विक्की, दिलीप टंडन, हरि टंडन, सुनील टंडन तथा अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। दिलीप ने पुलिस को बताया कि उसका भाई घर के सामने आग ताप रहा था। कुछ लड़के शराब के नशे में उसी जगह आग ताप रहे थे। विक्की तथा उसके अन्य साथी आपस में गाली-गलौज कर रहे थे।

घर के अंदर कुत्ता भौंका युवक ने युवती को पीटा

रायपुर। डीडीनगर थाने में एक युवती ने एक युवक के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। चंगोराभाठा निवासी राज नंदनी ने अजय ठाकुर उर्फ अज्जू के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। युवती ने पुलिस को बताया कि उसका पालतू कुत्ता जो घर के अंदर रहता है, रविवार को भौंक रहा था। इस बात से नाराज होकर अजय ने राज नंदनी के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की।

एपीके फाइल बनाकर ठगी करने वाले इंटर मीडिएट पास जालसाज गिरोह के आधा दर्जन ठग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेंज साइबर पुलिस ने एपीके फाइल भेज मोबाइल हैक कर ठगी करने वाले गिरोह के आधा दर्जन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की शैक्षणिक योग्यता महज इंटर मीडिएट है। इंटर मीडिएट पास जालसाजों के झांसे में आकर उच्च शिक्षित वर्ग के कई लोग ठगी के शिकार हुए हैं। जालसाजों ने देश के अलग-अलग राज्य के लोगों से अब तक करोड़ों रुपए की ठगी की है। रेंज साइबर पुलिस ने एपीके फाइल भेज कर मोबाइल हैक कर ठगी करने के आरोपियों को दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और ⏭ शेष पेज 13 पर

- आरटीओ, ट्रैफिक चालान, बिजली बिल भुगतान सहित अन्य तरह की एपीके फाइल भेज करते थे ठगी

एपीके पर क्लिक करते ही डेटा साफ

भेजे गए फर्जी संदेश को क्लिक करने के साथ ही एपीके मोबाइल में डाउनलोड होकर इंस्टाल हो जाता है। फाइल इंस्टाल होते ही मोबाइल हैक हो जाता है। मोबाइल का कंट्रोल जालसाज करने लगता है। जालसाज निजी तथा बैंक संबंधित जानकारी हासिल कर अकाउंट खाली कर देता है। साथ ही जो एपीके फाइल डाउनलोड कर लेते हैं, उनके कांटेक्ट लिस्ट में जो रहेंगे, उनके पास भी एपीके का लिंक पहुंच जाता है।

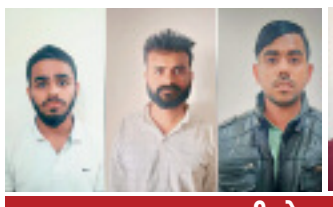

जालसाजी से बचने ऐसे करें उपाय

- मोबाइल पर आये किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें न ही उसको डाउनलोड अथवा इंस्टॉल करें
- मोबाइल पर एंटीवायरस का इस्तेमाल करें
- एप्लिकेशन केवल गूगल प्ले स्टोर से ही डाउनलोड करें
- ऐप अनुमतियों की जांच करें, किसी भी ऐप को इंस्टॉल करते समय, ध्यान दें कि वह कौन सी अनुमति मांग रहा है। यदि कोई ऐप अनावश्यक अनुमति मांगता है, तो उसे इंस्टॉल न करें।
- एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें, अपने डिवाइस पर एक प्रतिष्ठित एंटीवायरस ऐप इंस्टॉल करें जो संदिग्ध फ़ाइलों और ऐप्स का पता लगा सके और उन्हें ब्लॉक कर सके।
- यदि किसी का मोबाइल हैक हो जाये तो तत्काल अपने सिम को मोबाइल से निकल दे और मोबाइल को फ्लाइट मोड पर कर दे
- धोखाधड़ी की रिपोर्ट करें, यदि आप एपीके धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा साइबर कराइम डॉट जीओवी डॉट इन पर पर शिकायत दर्ज करें।

जालसाजों की भूमिका

- सौरभ कुमार, उत्तरप्रदेश नोएडा - म्यूल (फर्जी) अकाउंट खुलवाने का काम, ड्राई फ्रूट सेल्समैन
- आलोक कुमार, दिल्ली, म्यूल अकाउंट कलेक्शन कर बेचना, सेल्समैन
- चांद बाबू, मध्यप्रदेश, शिवपुरी, ठगी से प्राप्त रकम हासिल कर संबंधितों के अकाउंट में ट्रांसफर
- धर्मजीत सिंह, महाराष्ट्र, पुणे, एपीके फाइल बनाकर अन्य लोगों को बेचने वाला हैकर
- मोहम्मद इरफान अंसारी, पश्चिम बंगाल, आसनसोल, एपीके फाइल पीड़ितों को वाट्सएप में भेजने का काम, मोबाइल दुकान संचालक
- मारुफ सिद्दीकी अंसारी, महाराष्ट्र, ठाणे, म्यूल अकाउंट संकलन कर अन्य जालसाजों को बेचना, पैकर्स एंड मूवर्स

शीतलहर की आशंका

सरगुजा संभाग में शीत लहर, राजधानी में पारा 13 डिग्री पर लुढ़का

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशवासियों को नवंबर में ही दिसंबर जैसी सर्दी का अहसास हो रहा है। रायपुर का अधिकतम और न्यूनतम दोनों ही पारा सामान्य से कम है। ना केवल राजधानी, बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों में भी यही स्थिति है। सरगुजा संभाग में सोमवार को शीत लहर चली। इसके अलावा बिलासपुर और दुर्ग संभाग के एक-दो पॉकेट में भी शीत लहर चली है। आज भी उत्तर और मध्य भाग के कुछ जिलों में शीत लहर चलने की संभावना जताई गई है। दो दिन बाद केवल उत्तरी हिस्से में ही शीत लहर चलेगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के ⏭ शेष पेज 13 पर

पूरे प्रदेश का पारा 30 डिग्री से नीचे

संपूर्ण छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। रायपुर का अधिकतम तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री कम 28.2 डिग्री दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री कम 13.5 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में सर्वाधिक ठंडा जिला अंबिकापुर बना हुआ है। सोमवार को प्रदेश मे सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में हीं 6.5 डिग्री दर्ज हुआ।

शासकीय मेडिकल कालेजों में होगी 125 सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

करीब तीन साल इंतजार के बाद प्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती होगी। दस मेडिकल कालेजों के 35 विभागों में भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापन जारी किया गया है। सहायक प्राध्यापकों की उपलब्धता होने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग में चिकित्सा शिक्षकों की पदोन्नति के रास्ते भी खुलेंगे।

सहायक प्राध्यापकों की भर्ती होने से मेडिकल कालेजों में अध्यापन व्यवस्था सुदृढ़ होगी साथ ही संबंधित अस्पतालों में आने वाले मरीजों को बीमारी के इलाज के लिए विशेषज्ञ डाक्टर मिलेंगे। राज्य में दस शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय है जहां करीब तीन साल से विभिन्न तकनीकी कारणों से फैकल्टी की सीधी भर्ती नहीं हुई थी। सहायक प्राध्यापकों की भर्ती नहीं होने की वजह फैकल्टी के प्रमोशन का मामला भी अटका था। अब राज्य शासन द्वारा 125 पदों पर सीधी भर्ती की घोषणा के बाद चिकित्सा शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं का समाधान होने की संभावना है। शासन द्वारा लिए गए फैसले से चिकित्सा महाविद्यालयों में पैथोलॉजी, मेडिसिन, सर्जरी, बालरोग, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, गायनेकोलॉजी, कम्युनिटी मेडिसिन, फॉरेंसिक मेडिसिन, माइक्रोबायोलॉजी, फिजियोलॉजी, एनाटॉमी जैसे प्रमुख विभाग में चिकित्सा विशेषज्ञों की कमियां दूर होगी। सीधी भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ ⏭ शेष पेज 13 पर

- पीएससी के माध्यम से दस चिकित्सा महाविद्यालयों के 35 विभागों में दूर होगी फैकल्टी की कमी

आधे सहायक प्राध्यापक के भरोसे कालेज

वर्तमान में संचालित दस शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के कुल 644 पद स्वीकृत है। इनमें 312 पदों पर नियमित और संविदा आधार पर चिकित्सा शिक्षक कार्यरत है। 332 पद रिक्त है जिसमें से 125 पदों की पूर्ति होने के बाद चिकित्सा शिक्षा के स्तर में काफी सुधार होगा।कालेजों को नई फैकल्टी मिलने के बाद अन्य पदों की कमियां भी दूर होंगी।

स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार मजबूत होगा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे प्रदेश के भविष्य के डॉक्टरों को उच्च स्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रख रही है और यह भर्ती प्रदेश के लाखों नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार मजबूत करेगी। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर सहायक प्राध्यापकों की भर्ती से मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी दूर होगी, जिससे छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा और अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता भी बढ़ेगी। इस भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में लंबे समय से रिक्त पड़े पद भरेंगे, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिलेगा।

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसका महाबम्बर ड्रा दिनांक 22 नवंबर 2025 से निकाला जायेगा।

भाग्यशाली पाठकों के उपहार देने की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

खबर संक्षेप

सांसद खेल महोत्सव का हुआ शुभारंभ

रायपुर। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के निर्देश पर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न जोनो के समूह बनाकर फीट इंडिया मूव्हमेंट के अंतर्गत रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का सोमवार को शुभारंभ हुआ। इसके तहत गोगांव स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान, माधवराव सप्रे स्कूल मैदान, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जे.एन. पाण्डेय उच्चतर माध्यमिक शाला मैदान, नेताजी सुभाष स्टेडियम में विभिन्न खेल आयोजित किए गए, जिसमें 19 वर्ष आयु से कम एवं 19 वर्ष आयु से अधिक वर्ग की महिला पुरूष टीमो की कबड्डी खो-खो, वॉलीबाल, बास्केट बॉल, कुश्ती, फुगड़ी, गेड़ी, रस्साखींच आदि पारंपरिक खेल में स्पर्धाएं हुई। विधायक सुनील सोनी ने इस महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चे और युवा जन जीवन में खूब खेले कूदे और आगे बढ़े और वे खेलकर रायपुर शहर और छत्तीसगढ़ राज्य का नाम देश में रौशन करें।

विधायक मिश्रा ने खेल महोत्सव में शामिल हुए बच्चों का हौसला बढ़ाया

रायपुर। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा सोमवार को रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत शहर के जे.एन.पाण्डेय शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल के मैदान में आयोजित खेल स्पर्धा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बच्चों के विभिन्न खेल स्पर्धा का आंनद लेते हुए बच्चों के प्रदर्शन पर उनका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी भी उपस्थित रहे।

इंदिरा गांधी की जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम कल

रायपुर। देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर 19 नवंबर सुबह 11 बजे कालीबाड़ी चौक में स्थित उनकी प्रतिमा स्थल के समक्ष पुष्पांजलि कार्यक्रम है। नगर निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित में विभाग के अध्यक्ष सहित जोन 4 के अधिकारी शामिल होकर इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देंगे।

कुछ और अस्पतालों पर कार्रवाई की तैयारी

रायपुर। राज्य स्तर पर एक बार फिर आयुष्मान भारत से इलाज करने वाले निजी अस्पतालों को जांच के दायरे में लेकर गड़बड़ी मिलने पर संबंधित अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। विभिन्न शिकायतों के आधार पर आम राज्य के करीब 20 छोटे-बड़े निजी हास्पिटलों को जांच दायरे में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग की नोडल एजेंसी ने प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना में अनियमितता बरतने, गड़बड़ी करने और संचालन सही तरीके से नहीं करने की शिकायतें मिलने के बाद निजी अस्पतालों को जांच के दायरे में लिया है। स्वास्थ्य विभाग के टोल फ्री नंबर आरोग्य 104 पर मरीजों की शिकायतें लगातार मिल रही हैं।

अब पवन साय को बंगाल चुनाव में 56 विधानसभाओं की जिम्मेदारी, आज जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विधानसभाओं में स्थानीय नेताओं के साथ बैठक लेकर बनाएंगे रणनीति

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय को बंगाल चुनाव के लिए 56 विधानसभाओं के एक जोन की जिम्मेदारी दी गई है। एक बार वहां का दौरा करने के बाद अब वे एक बार फिर से मंगलवार को अपनी जिम्मेदारी वाली विधानसभा के जोन में जा रहे हैं।

वे वहां पर आने वाले समय में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाने का काम करेंगे। बंगाल में अलग-अलग जोन बनाकर करीब आधा दर्जन राज्यों के संगठन महामंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है। बिहार चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद अब भाजपा के राष्ट्रीय संगठन का बड़ा फोकस बंगाल चुनाव पर है। अगले साल मार्च-अप्रैल में वहां पर चुनाव संभावित है।

भाजपा ने अभी से इसको लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी है। वैसे भी भाजपा हमेशा से किसी भी राज्य में चुनाव से काफी पहले तैयारी प्रारंभ कर देती है। बिहार चुनाव में भी भाजपा ने काफी पहले से तैयारी की

थी। प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल को वहां पर 50 विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी गई थी। श्री जामवाल बिहार में चार माह तक रहे और अपनी जिम्मेदारी वाली विधानसभाओं में लगातार बैठकें लेकर रणनीति बनाने का काम किया। इसका परिणाम यह रहा कि 50 सीटों में से 25 सीटों में भाजपा के प्रत्याशी मैदान में उतारे गए तो इसमें से 23 सीटों में भाजपा के प्रत्याशियों को जीत मिली।

अब पवन साय पर भरोसा

भाजपा का राष्ट्रीय संगठन लगातार प्रदेश के नेताओं पर भरोसा कर रहा है। बिहार चुनाव में प्रदेश के जिन भी नेताओं को वहां पर विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी गई थी, उन सभी में भाजपा के प्रत्याशी जीते। अब राष्ट्रीय संगठन प्रदेश के नेताओं को बंगाल की भी जिम्मेदारी देगा। पहले चरण में प्रदेश के संगठन महामंत्री पवन साय को वहां पर एक जोन की 56 विधानसभाओं का जिम्मा देकर अभी से रणनीति बनाने का काम दिया है। श्री साय एक बार बंगाल का करीब एक सप्ताह का दौरा करके आ चुके हैं। अब फिर से वे मंगलवार को बंगाल जा रहे हैं। इस बार के दौरे में वे लगातार विधानसभाओं में बैठकें लेकर वहां पर भाजपा की स्थिति जानेंगे और उसके हिसाब से वहां पर जीत की रणनीति बनाई जाएगी।

सोसाइटी हड़ताल के बीच वैकल्पिक व्यवस्था बनाकर खरीदी

छत्तीसगढ़ में दो दिन में सवा लाख क्विंटल धान खरीदी, उधर अवैध घुसपैठ भी जारी

महाराष्ट्र-झारखंड से धान का अवैध परिवहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी पहले दो दिन में सवा लाख क्विंटल के पार हो गई है। खास बात ये है कि इस समय धान खरीदने वाली सोसाइटियों के प्रबंधक, धान खरीदी प्रभारी और कंप्यूटर आपरेटर बेमुद्दत हड़ताल पर हैं, सरकार अन्य विभागों के अफसर कर्मियों को तैनात कर खरीदी करवा रही है। इससे अलग राज्य के सीमावर्ती इलाकों से अवैध धान की घुसपैठ भी तेज हो गई है, इसे रोकने के लिए राज्य स्तर पर सख्त निगरानी रखने एवं अवैध परिवहन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

राज्य सरकार के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हड़ताल की बाधा के बावजूद वैकल्पिक व्यवस्था के साथ धान खरीदी जारी है। इस संबंध में सरकार राज्य के सभी कलेक्टरों के सीधे संपर्क में है, किसी भी जिले या सोसाइटी स्तर से आने वाली सूचना पर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन धान की अवैध घुसपैठ जारी है। एक तरफ सरकार बाधाओं के बीच भी किसानों को सबसे अहम मानते हुए धान खरीदी सुचारू करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है, लेकिन इसके साथ ही सीमावर्ती राज्यों से छत्तीसगढ़ में कोचिया

झारखंड की सीमा पर निगरानी

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के साथ ही कुछ क्षेत्रों में अवैध धान परिवहन की संभावनाओं को रोकने राज्य भर में प्रशासन सख्त हो गया है। इसी क्रम में जशपुर जिला कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने जशपुर जिले का झारखंड सीमा से लगे चेकपोस्टों पर देर रात औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

और तस्कर अवैध धान लाकर खपाने की कोशिश कर रहे हैं। इस अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सीएम साय के हैं सख्त निर्देश

राज्य में प्रारम्भ हुई धान खरीदी के मद्देनजर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य के सभी अंतर्राज्यीय सीमाओं पर धान के अवैध परिवहन पर सख्त निगरानी रखने एवं अवैध परिवहन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस निर्देश के परिपालन में मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले में कलेक्टर तुलिका प्रजापति के मार्गदर्शन में खाद्य विभाग की टीम ने अवैध रूप से हो रहे अंतर्राज्यीय धान परिवहन पर कड़ी कार्रवाई करते हुए दो वाहनों को जप्त किया है। 15 नवम्बर को महिंद्रा पिकअप वाहन से 27.20 क्विंटल धान महाराष्ट्र के ग्राम मुरूमगांव निवासी तरुण यादव द्वारा औंधी लाया जा रहा था। खाद्य विभाग की टीम ने वाहन को रोककर धान ज़ब्त किया तथा पूरे प्रकरण को थाना औंधी को सुपुर्द किया। 16 नवम्बर को चिल्हाटी क्षेत्र में खाद्य विभाग की टीम ने सचदेव फूड प्रोडक्ट, रायपुर द्वारा महाराष्ट्र से चिल्हाटी लाए जा रहे 309 क्विंटल धान वाहन क्रमांक सीजी 16 सीजे 8710 से जप्त किया, जिसे कार्रवाई हेतु थाना चिल्हाटी को सौंपा गया।

दूसरे दिन 78 उपार्जन केंद्रों में 17589.60 टन धान की खरीदी

वैकल्पिक व्यवस्था के बीच रायपुर जिले में धान खरीदी के दूसरे दिन 78 उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य किसानों से 17 हजार 589.60 टन धान की खरीदी की गई है। पहले दिन 30 से भी कम उपार्जन केंद्रों में 21 सौ क्विंटल धान की खरीदी हुई थी। इस तरह पहले दिन की तुलना में दूसरे दिन बंपर धान की खरीदी हुई है। उपार्जन केंद्रों के प्रबंधक एवं ऑपरेटरों के हड़ताल पर जाने के बाद भी जिले में धान खरीदी की कार्यवाही जारी है। प्रशासन ने सभी उपार्जन केंद्रों में प्रभारी अधिकारियों एवं ऑपरेटरों की अस्थाई नियुक्ति की है, जिनके माध्यम से उपार्जन केंद्रों में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को जिले के करीब 78 उपार्जन केंद्रों में किसानों को टोकन जारी किया था। इसके तहत इन केंद्रों में 17589.60 टन धान की खरीदी की गई।

शहर में जलभराव की समस्या होगी खत्म

सात दिनों के भीतर मंगाए गए प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में बरसात के दिनों में अक्सर कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे स्थानीय लोगों के साथ उन इलाकों से गुजरने वाले आम लोगों को भी परेशानी होती है। नगरीय प्रशासन विभाग ने अब बाढ़ एवं जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान के लिए प्रदेश के सभी नगरीय निकायों से प्रस्ताव मंगाए हैं। इनमें नगर निगम रायपुर से भी प्रस्ताव भेजा जाएगा।

शहर के कई इलाकों में भरता है पानी

बारिश के दिनों में वैसे तो शहर के अनेकों इलाकों में जलभराव की स्थिति बनती है, लेकिन कई इलाकें ऐसे हैं, जहां अत्यधिक बारिश होने से जलभराव की स्थिति निर्मित होने के बाद आवागमन पर भी असर पड़ता है। चालू वर्ष में बारिश के दिनों में ऐसे ही कुछ नजारे शहर में देखने को भी मिले थे। भाठागांव से काठाडीह मार्ग, प्रोफेसर कालोनी, राधास्वामी नगर, सड्डू विधानसभा रोड, सोनडोंगरी इलाका सहित अन्य इलाके शामिल हैं।

57 करोड़ रुपए का प्रस्ताव

बारिश के सीजन में शहर में अनेकों स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनती है। इसे देखते हुए नालों का निर्माण, कंक्रीटीकरण, रिपेयरिंग आदि का प्रस्ताव बनाकर जिला कलेक्टर को भेजा है। यह प्रस्ताव लगभग 57 करोड़ रुपए का है। इसके अलावा दो सौ करोड़ रुपए का प्रस्ताव केंद्र को भी भेजा गया है।

- मीनल चौबे
महापौर
नगर निगम रायपुर

नाला-नाली का निर्माण एवं कंक्रीटीकरण किया जाएगा

नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक आर. एक्का ने राज्य के सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को परिपत्र जारी किया है। इस पत्र के जरिए एक सप्ताह के भीतर जलभराव वाले स्थानों को प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए हैं। जारी परिपत्र में कहा गया है कि शहरों में वर्षा ऋतु के समय अत्यधिक वर्षा होने से बाढ़ एवं कुछ क्षेत्रों में जलभराव होने के कारण लोगों को असुविधा होती है। शहरों के जिन-जिन क्षेत्रों में जलभराव होता है, वहां असुविधा से बचने तथा इसके स्थायी समाधान के लिए नाला-नाली निर्माण एवं कंक्रीटीकरण किया जाएगा।

सीएम साय बोले- शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है, इसके बिना जीवन अधूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को जगदलपुर में शासकीय जगतु माहरा बस्तर हाईस्कूल के शताब्दी वर्ष समारोह कार्यक्रम में आज शामिल हुए। बस्तर हाईस्कूल के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यालय परिवार को शताब्दी वर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है, शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। भारत में प्राचीनकाल से ही शिक्षा का अत्यधिक महत्व रहा है। नालंदा और तक्षशिला जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में विदेशों से विद्वान ज्ञानार्जन के लिए आते थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में बस्तर हाईस्कूल तथा कांकेर के नरहरदेव विद्यालय जैसे संस्थान शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं।

जीर्णोद्धार के लिए डेढ़ करोड़ छात्रावास भवन निर्माण भी

उन्होंने बताया कि वर्ष 1926 में जब इस विद्यालय का निर्माण हुआ होगा, तब संसाधनों का अत्यधिक अभाव रहा होगा, लेकिन पिछले सौ वर्षों की विकास यात्रा में इस विद्यालय ने अनगिनत होनहार छात्र-छात्राओं को तैयार किया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। आज उनमें से अनेक पूर्व छात्र इस समारोह में सम्मिलित हुए हैं। उन्होंने संस्था के निरंतर प्रगति के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

सरकार बिजली बिल हाफ योजना शुरू करे नहीं तो दिसंबर में सीएम हाउस का घेराव

एसआईआर के बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह में कांग्रेस करेगी आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, लगातार बढ़ कर आ रहे बिजली बिलों से जनता परेशान है। देश के सबसे बड़े विद्युत उत्पादक राज्यों में से एक छत्तीसगढ़ के नागरिकों को सरकार की मुनाफाखोर वाली नीति के कारण महंगी बिजली खरीदनी पड़ रही है। सरकार ने 400 यूनिट तक बिजली के दाम आधा योजना को बंद कर दिया। कांग्रेस पार्टी सरकार से मांग करती है, 30 नवंबर तक बिजली के दाम घटाए। 400 यूनिट तक बिजली के दाम आधा किया जाए। इन मांगों को नहीं माना, तो एसआईआर के बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह में कांग्रेस पार्टी मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, 15 नवंबर से प्रदेश में धान खरीदी की शुरुआत हुई, लेकिन प्रदेश के 2739 केंद्रों में से 2560 केंद्रों में पहले दिन धान की खरीदी नहीं हुई।

दूसरा दिन है लेकिन आज भी सरकार की तरफ से कोई तैयारी नहीं की गई है। सोसाइटी कर्मचारी और कम्प्यूटर ऑपरेटर हड़ताल पर है। किसानों का टोकन नही कट रहा। एस्मा लगाकर कर्मचारियों को धमकाया जा रहा। एक तो धान खरीदी की तिथि 15 दिन बाद से शुरू हुई ऊपर से घोषित तिथि से भी सभी केंद्रों में खरीदी नहीं होना सरकार का षड्यंत्र है। सरकार के पास 3100 में धान खरीदने का पैसा नहीं है, इसलिए तमाम हथकंडे अपनाए जा रहे की कम से कम धान खरीदना पड़े।

सोसाइटी कर्मचारियों की हड़ताल, सरकार की दुर्भावना

उन्होंने कहा, सरकार धान खरीदी पूरा न हो इसलिए जानबूझकर सोसायटी कर्मचारियों से टकराहट का रास्ता अपना रही। कही एस्मा लगाकर गिरफ्तार किया जा रहा तो, कही कंप्यूटर ऑपरेटर को पुलिस भेज के धमकाया जा रहा। रायपुर कलेक्टर ने तो हद ही कर दिया 250 राशन दुकानों को सोसायटी से छीन कर पंचायतों को दे दिया। धान खरीदी की व्यवस्था तो बना नहीं पा रहे, अब राशन वितरण प्रणाली भी बर्बाद कर रहे।

एसआईआर को लेकर आयोग के दावे संदेहास्पद : उन्होंने कहा, आयोग की तरफ से ऐसा दावा किया जा रहा की उनकी तरफ से बीएलओ ने 90 प्रतिशत मतदाताओं तक प्रपत्र पहुंचा दिया गया है, जबकि हकीकत है कि अभी 25 प्रतिशत भी मतदाताओं तक फार्म नहीं पहुंचा है। हमारी मांग है कि बीएलओ जब मतदाता के घर जाए तो उनसे वहां पहुंचने का पुष्टि प्रमाणपत्र हासिल करे।

लखमा को इलाज के लिए पुलिस बल उपलब्ध कराने डीजीपी से मिले पूर्व विधायक कुलदीप और विकास

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने बताया कि पूर्व मंत्री एवं छह बार के विधायक कवासी लखमा को आंखों में बहुत दिनों से दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने जेल प्रशासन के अस्पताल में डॉक्टर को भी दिखाया, लेकिन डॉक्टरों ने बताया उनकी आंखों का उपचार यहां संभव नहीं है। इलाज के लिए उन्हें बाहर जाना पड़ेगा, लेकिन बाहर जाने के लिए जेल एवं जिला प्रशासन उन्हें पुलिस बल उपलब्ध नहीं करा रहा है। मंगलवार को इसी मांग को लेकर पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा एवं विकास उपाध्याय ने डीजीपी अरुण गौतम से मुलाकात की और वरिष्ठ आदिवासी नेता का कवासी लखमा को इलाज के लिए पुलिस बल उपलब्ध कराने के संबंध में पत्र दिया। श्री उपाध्याय ने कहा, चार दिन पूर्व कवासी लखमा से मिलने पंजाब कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं सांसद राजा बरार के साथ गए थे। उन्होंने इस दौरान अपनी आंखों की समस्या के बारे में उन्हें अवगत कराया और कहा था कि जल्द से जल्द इसके इलाज कराने की आवश्यकता है।

हर छोटे, मध्यम, बड़े बाजारों की सूची होगी सार्वजनिक

निकायों में ट्रेड लाइसेंस अनिवार्य, अब जारी होगी बाजारों की सूची, हर दुकानदार को लेनी होगी व्यापार अनुज्ञप्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में व्यापार अनुज्ञापन नियम 2025 लागू होने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया तेज होगी। राज्य के सभी नगरीय इलाकों के मोहल्लों, कालोनियों में मौजूद छोटे, मध्यम, बाजार, बाजारों की सूची बनाने का काम होगा। यह सूची सार्वजनिक रूप से प्रकाशित होगी। सूची में शामिल दुकानदारों को व्यापार अनुज्ञप्ति यानी ट्रेड लाइसेंस बनवाना होगा। इस मामले को लेकर राज्य शासन के संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ के लिए निर्देश दिया गया है, साथ ही ये भी कहा गया है कि 7 नवंबर 2025 के माध्यम से छत्तीसगढ़ व्यापार अनुज्ञापन नियम 2025 लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के क्षेत्रांतर्गत व्यापार किये जाने के लिए संबंधित नगरीय निकाय से व्यापार अनुज्ञप्ति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है।

बिना लाइसेंस कारोबार होगा सील

कोई परिसर, जिसमें विधिमान्य अनुज्ञप्ति के बिना, कोई व्यापार किया जाना पाया जाए, उसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा सील किया जाएगा तथा समान प्रकार और समान रूप से स्थित व्यापार के लिए लागू वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क के दोगुने के समतुल्य शास्ति अधिरोपित की जाएगी।

हर बाजार का तैयार होगा ब्योरा

संचालनालय ने कहा है कि व्यापार अनुज्ञापन नियम के मुताबिक के अनुसार व्यापार परिसर की अवस्थिति पर आधरित न्यूनतम वार्षिक व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क हेतु दरों के निर्धारण के लिए नगरीय निकायों को नियम के प्रावधानों के लागू होने के 7 दिवस की समयावधि में निकाय क्षेत्रांतर्गत मोहल्ला, कॉलोनी के बाजार के छोटे एवं मध्यम आकार के बाजार, वृहद बाजार की सूची का प्रकाशन किया जाना है। निकायों से कहा गया है कि वे अपने क्षेत्र की सूची के प्रकाशन हेतु आवश्यक कार्यवाही पूरी करें। साथ ही प्रकाशित सूची की जानकारी संचालनालय को भेजें।

लाइसेंस नहीं बनवाया तो दोगुनी फीस

छत्तीसगढ़ सरकार के नगरपालिका व्यापार अनुज्ञापन यानी ट्रेड लाइसेंस नियम में ये प्रावधान है कि अब राज्यभर के नगरीय इलाकों में कोई भी व्यक्ति बिना ट्रेड लाइसेंस हासिल किए कोई कारोबार नहीं चला सकता। यही नहीं, अगर बिना लाइसेंस कारोबार करते पकड़े गए तो दुकान सील कर दी जाएगी और लाइसेंस फीस से दोगुनी राशि बतौर जुर्माना वसूली जाएगी। खास बात ये है कि राज्य के नगरीय इलाकों के हर दुकानदार को दो महीने के अंदर ये लाइसेंस लेना होगा। नियम में ये साफ किया गया है कि किसी भी व्यक्ति को, संबंधित नगरपालिका से व्यापार अनुज्ञप्ति प्राप्त किए बिना, नगरपालिका की सीमा के भीतर, कोई व्यापार करने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।15 दिन के भीतर मिलेगी अनुज्ञप्ति इन नियमों के अधीन, आवेदन यदि अन्यथा अस्वीकार नहीं किया जाता है तो प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञप्ति प्रदान की जाएगी।

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार कान्हा देवगान पिता कोमल प्रसाद पता म.नं. सी 00244 के एफ ए 201 नगर पालिका गार्डन के पास, शिक्षक कालानी, कोटा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. ने अभय कुमार वर्मा उम्र 37 वर्ष पिता विजय कुमार वर्मा पता रवि भवन के पास मस्जिद रोड कोटा रायपुर जो कि तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के हक हित स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि जो कि वाके मौजा ग्राम कोटा, प.ह.नं. 107/37, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. मे स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 143/99 रकबा 0.011 हे. याने 1204 वर्गफुट भूमि को खरीदने का पक्का सौदा कर अग्रिम राशि विक्रेता को प्रदान कर दिया है। जिसकी बयनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति, निगम, बीमा, वित्तीय अर्धशासकीय, शासकीय संस्था को उपरोक्त भूमि/ संपत्ति के स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में कोई भी ऊजर या आपत्ति हो तो मेरे कार्यालय में मय सुसंगत दस्तावेज आपत्ति 07 दिनों के भीतर प्रस्तुत करे। बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नही होगा व अवैध व शुन्य माना जावेगा। म्याद अवधि के पश्चात मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का विक्रय प्रतिफल की शेष राशि अदा कर पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होगा। सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग. दिनांक 17.11.2025

दाउ लाल साहू अधिवक्ता
आ./नि.- शिवानंदनगर खमतराई

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि द्वारा अटल विहार योजना आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित एल.आई.जी. टाईप- 1/5 को श्रीमती कुसुम सोनकर पति श्री नारायण कुमार सोनकर के नाम से स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के मद में पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय आरंग रायपुर से दिनांक 18.01.2017 को लीजडीड (पट्टा - विलेख) का निष्पादन करा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान श्रीमती कुसुम सोनकर पति श्री नारायण कुमार सोनकर निवासी:- वार्ड नं.-13, दीनदयाल आवास कॉलोनी, तहसील - आरंग, जिला - रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को श्रीमती अमृका टंडन पति श्री रामकुमार टंडन निवासी:- अम्बेडकर चौंक, वार्ड नं.- 01, गुखेरा, पो. फरफौद, तहसील - आरंग, जिला - रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः अटल विहार योजना आरंग जिला रायपुर में स्थित एल.आई.जी. टाईप-1 /5, के विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मयदस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

छत्तीसगढ़ समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी रायपुर छ.ग.

शपथ-पत्र

मैं श्रीमती डाक्टरीन साहू उम्र 77 वर्ष पति स्व. मंगतु साहू निवासी म.नं. 172, बंम्लेश्वरी मंदिर के पास, साहू पारा भाठागांव रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. निम्न कथन शपथ पूर्वक करती हूं :-

1. यह कि,मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।
2. यह कि, मेरा वास्तविक नाम डाक्टरीन साहू है किन्तु मेरे द्वारा आधार कार्ड अपडेट करवाने पर मेरा नाम त्रुटिवश मेरा नाम सावित्री बाई साहू अंकित हो गया है। जिसे विलोपित करवाकर मैं अपना नाम डाक्टरीन साहू दर्ज करवाना चाहती हूं क्योकि मेरे अन्य दस्तावेजों पर यही नाम दर्ज चला आ रहा है।
3. यह कि मैं यह शपथ पत्र अपना नाम डाक्टरीन साहू रखने के समर्थन में यह शपथ पत्र संबंधित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ।

शपथकर्ती

सत्यापन

मैं उपरोक्त शपथकर्ती यह सत्यापित करती हूं कि शपथ पत्र की कंडिका 1 से 3 तक में वर्णित कथन मेरे ज्ञान से ही सही एवं सत्य है अतः अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

स्थान रायपुर
दिनांक - 17.11.2025

डाक्टरीन साहू
शपथकर्ती

खबर संक्षेप

बाला साहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर फल बांटे

आरंग। सोमवार को हिन्दू हृदय सम्राट शिवसेना के संस्थापक स्व. बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर शिवसेना आरंग के शिवसैनिकों ने शिवसेना आरंग कार्यालय में पूजा-अर्चना कर उन्हें स्मरण किया। रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष राकेश शर्मा जी के मार्गदर्शन एवं आरंग नगर अध्यक्ष राज दुबे के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आरंग में भर्ती मरीजों को फल व बिस्किट वितरण कर उनके स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ली गई तथा सभी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 02 के शिवसेना पार्षद उमाकांत यादव, व्यास सोनकर, उजाला जलक्षत्री, टेकू देवांगन, कमलेश निर्मलकर, जितेंद्र निषाद, कोमल यादव, विराज लोधी, बादल निषाद, सागर पटेल एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

संत समागम में कबीर की वाणी पर प्रकाश डाला

आरंग। सोमवार को कबीर कल्याण आश्रम भिलाई के संत विजयेन्द्र साहेब के दिक्षा दिवस के अवसर पर संत समागम का आयोजन किया गया ।जिसमें कबीर संप्रदाय से जुड़े अनेक संतों ने उपस्थित होकर कबीर वाणी का वाचन किया एवं कबीर के विचारो को बताते हुए संस्कारो के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य यशवंत धनेन्द्र साहू उपस्थित होकर संबोधित करते हुए कहा छत्तीसगढ़ में आज भी कबीर का विचार अत्यंत ही प्रासंगिक है। आज भी पूरे प्रदेश में करोड़ों लोग कबीर के अनुयायी हैं।इस क्षेत्र में भी हजारों लोग कबीर मत के मानने वाले लोग रहते हैं। जो कबीर के बताए मार्ग पर चल रहे हैं। वहीं अवध साहेब, विजय साहेब, घासी साहेब, पवन साहेब, विमल साहेब, टिकेश्वर साहेब, खेलू साहेब ने भी कबीर वाणी का वाचन किया। इस अवसर पर कुलदीप साहू, पूर्व उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य भाजपा किसान मोर्चा छत्तीसगढ़, ग्राम टीला के पूर्व सरपंच भुवन साहू, छाटा से समाजसेवी मेहतरू साहू, ग्राम पंचायत भिलाई के सरपंच निलकंठ , द्वारिका, दूजेराम धीवर सहित बड़ी संख्या में कबीर के अनुयाइयों की उपस्थिति रही।

चैंबर के लोकेश और जितेंद्र बने डीआरयूसीसी के सदस्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के दो पदाधिकारियों को डीआरयूसीसी रायपुर संभाग में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी द्वारा किए गए नामांकन को सक्षम प्राधिकारी (महाप्रबंधक) द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। चैंबर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन एवं जितेंद्र शादीजा को दो वर्ष की अवधि के लिए डीआरयूसीसी-रायपुर संभाग में नामित किया गया है। यह नामांकन 15 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगा। चैंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति सुनिश्चित करेगी कि छत्तीसगढ़ के व्यापार और उद्योग जगत से संबंधित रेल उपयोगकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व डीआरयूसीसी में मजबूती से किया जाएगा।

निधन

उर्मिला भारती

आरंग। ग्राम बकतरा (गोढ़ी) निवासी उर्मिला भारती की शनिवार

को निधन हो गई। वे 70 वर्षी की थी। वे फत्तेलाल भारती की पत्नी रज्जु भारती, विजय भारती व विजेन्द्र भारती की माँ व युवा नेता उपेंद्र भारती की दादी थी। उनके आकस्मिक निधन पर लोगो ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी।

फन फेयर में बच्चों के लिए हुईं रोचक स्पर्धाएं और सजाए व्यंजनों के स्टाल

हरिभूमि न्यूज ⏭| आरंग

स्पर्धा के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वालों प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

गांधी इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, आरंग में रंगारंग "फ़न फेयर" का आयोजन किया गया। मेले में बच्चों और शिक्षकों ने लर्न बाई फन के कांसेप्ट पर मिलकर चाट,पकौड़ी, भेल–पूरी, दाबेली, मसाला पापड़, स्प्राउट चाट, इडली-डोसा, चाय कॉफी, आइस्क्रीम के विभिन्न खाद्य व्यंजनों के स्टॉल लगाए। अभिभावकों और आगंतुकों ने इन स्टॉलों पर जाकर स्वाद का आनंद लिया और बच्चों की मेहनत की सराहना की। इसके अलावा खेलकूद और मनोरंजन की गतिविधियों में स्ट्रॉ बॉल,पेंसिल कप,मिकी माउस, टेम्पोलिन को शामिल किया गया। मेले में अभिभावकों के लिए विशेष रूप से मनोरंजन हेतु अलग-अलग प्रतियोगिताओं की व्यवस्था रही। हैंड राइटिंग, केश कला, अल्पना मेकिंग प्रतियोगिता, पेपर डांस, बलून बर्स्ट जैसे नए और रोचक खेलों में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में शामिल मुख्य अतिथि आरंग बीइओ दिनेश शर्मा जी एवं एबीओ लखेश्वर रात्रे के द्वारा प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अभिभावकों के लिए स्मृति चिन्ह (बचत का संदेश देते हुए) मिट्टी के गुल्लक और मोमेंटो से पुरुस्कृत किया गया।

पेन, पेंसिल, कॉपी, रंग-बिरंगे चार्ट की प्रदर्शनी लगाई

मेले में एक स्टेशनरी स्टॉल भी लगाया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पेन, पेंसिल, कॉपी, रंग-बिरंगे चार्ट, ड्राइंग शीट्स और क्राफ्ट सामग्री प्रदर्शित की। बच्चों ने अपने हाथों से बनाए गए व्यंजन भी प्रस्तुत किए, जिन्हें खाकर अभिभावकों ने उनकी स्वाद की प्रशंसा की। इस स्टॉल ने मेले को और भी शिक्षाप्रद बना दिया और विद्यार्थियों को व्यवहारिक अनुभव तथा जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया। विद्यालय के प्राचार्य हरेश कुमार दास ने कहा कि "फ़न फेयर केवल विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि अभिभावकों के लिए भी आनंद और सहभागिता का अवसर है। इस प्रकार के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं तथा अभिभावकों को विद्यालय से और गहरा जुड़ाव महसूस कराते हैं।" विद्यालय के संचालक यशवंत कुमार चतुर्वेदी ने भी कहा कि "यह आयोजन बच्चों और अभिभावकों दोनों को एक साझा मंच प्रदान करता है, जहाँ वे अपनी प्रतिभा और उत्साह को प्रदर्शित कर सकते हैं। यह शिक्षा और संस्कृति का संगम है।" कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा जी ने विद्यार्थियों और अभिभावकों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा, "गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल ने इस आयोजन के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों को एक साथ जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है।

धान खरीदी : कर्मचारियों की हड़ताल हुआ बेअसर

सहकारी समिति में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭| अभनपुर

प्राथमिक कृषि सहकारी समिति सिवनी में पूजा-अर्चना व नारियल फोड़कर धान खरीदी अभियान प्रारंभ किया गया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रिका जितेंद्र बंजारे, सहकारिता सभापति चंचल राजा दीवान, महिला एवं बाल विकास सभापति हेमलता विनोद चंद्राकर, घुसेरा सरपंच नरेश बैंस, समिति प्राधिकृत अधिकारी दीपक शर्मा, शासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी हर्ष साहू, एवं समिति प्रभारी परमजीत सिंह गुरु दत्ता व स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

खुटेरी और मंदिरहसौद में धान खरीदी रही ठप

आरंग। धान उपार्जन केंद्र खुटेरी और मंदिरहसौद में दूसरे दिन भी धान खरीदी शुरू नहीं हो सकी। लगातार तकनीकी खामियों के कारण दोनों केंद्रों का लॉगिन सोमवार को भी नहीं खुला, जिससे किसानो को भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। खुटेरी केंद्र में मंगलवार को एडीएम स्वयं दो घंटे तक बैठकर लॉगिन बहाल कराने की कोशिश करते रहे, लेकिन सिस्टम पूरी तरह ठप पड़ा रहा। प्रशासनिक प्रयासों के बावजूद खरीदी प्रक्रिया शुरू न होने से किसान निराश लौटे। सबसे चिंताजनक स्थिति किसान अनिल चन्द्राकर शनिवार को टोकन कटवाने के बाद 305 कट्टा धान का तौल नही होने से पिछले तीन दिनों से खुले मैदान में पड़ा हुआ है। बारिश और खराब मौसम की आशंका के बीच किसान बेचैन हैं कि फसल खराब न हो जाए को लेकर भारी चिंतित व टेंशन में में है। किसानों का कहना है कि शनिवार और मंगलवार को जो कटी हुई टोकन जारी की गई थीं, उनकी खरीदी कब होगी, इस बारे में किसी भी प्रकार की स्पष्ट सूचना नहीं दी जा रही।

हड़ताल का असर नहीं, रीवा में 2535 कट्टे धान की खरीदी

आरंग। धान उपार्जन केंद्र रीवा में दूसरे दिन भी खरीदी ने रफ्तार पकड़े रखी। सहकारी कर्मचारियों की जारी हड़ताल का यहाँ कोई असर नजर नहीं आया। 17 नवंबर को कुल 2535 कट्टे धान की सुचारू और व्यवस्थित खरीदी की गई, जिससे केंद्र में खरीदी का माहौल पूरे दिन सक्रिय बना रहा। साथ ही 7 लाख रुपये की कर्ज वसूली भी की गई, विदित हो कि खरीदी के पहले दिन 9 किसानों से 1605 कट्टे धान की दमदार खरीदी हुई थी। सोमवार को खरीदी के दूसरे दिन 16 किसानों ने अपनी फसल बेचकर केंद्र की खरीदी प्रणाली पर भरोसा जताया। लगातार दो दिनों से मजबूत आवक और खरीदी ने यह साबित कर दिया है कि रीवा केंद्र में सहकारी कर्मचारियों की हड़ताल बेअसर साबित हो रही है। धान लेकर खरीदी केंद्र पहुंचे किसानों ने बताया कि तौल, पर्ची से संबंधित प्रक्रियाएँ बिना किसी बाधा के संचालित की जा रही हैं। खरीदी प्रभारी और स्टाफ की उपस्थिति ने किसानों को राहत दी है, जिससे खरीदी का काम समय पर और व्यवस्थित चलता रहा। स्थानीय किसानों का कहना है कि खरीदी के प्रारंभिक दिनों में इस तरह की तेज रफ्तार स्वागतयोग्य है। वहीं धान खरीदी के लिए नियुक्त नोडल प्रभारी ज्योति सिंग तहसीलदार रायपुर ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केंद्र पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी किसान को असुविधा न हो।

नारा व पलौद उपार्जन केंद्रों में शुरू हुई धान की खरीदी

आरंग। क्षेत्र के नारा और पलौद धान उपार्जन केंद्रों में मंगलवार से धान खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से शुरू हो गई है। खरीदी प्रारंभ होने के साथ ही लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे किसानों ने राहत की सांस ली। सुबह से दोनों केंद्रों में किसानों की आवाजाही बनी रही और तौल-पर्ची की प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संचालित की गई। नारा के प्राधिकृत अध्यक्ष त्रिलोचन साहू ने बताया कि नारा उपार्जन केंद्र में सुबह 9 बजे से खरीदी शुरू हुई। यहां 11 किसानों की 1200 कट्टा धान समर्थन मूल्य में खरीदी गई वही उपार्जन केंद्र पलौद में भी 1200 कट्टे की खरीदी होने की जानकारी प्राधिकृत अध्यक्ष रोहित चन्द्राकर ने दी।इधर किसानों का कहना है कि केंद्र में तौल व्यवस्था, बारदाना उपलब्धता और स्टाफ की उपस्थिति बेहतर रही, जिससे प्रक्रिया बिना किसी बाधा के चलती रही। किसानों ने बताया कि तकनीकी समस्याओं और कुछ केंद्रों में खरीदी बंद रहने को लेकर पिछले कुछ दिनों से वे चिंतित थे, लेकिन नारा और पलौद में खरीदी के प्रारंभ होने से उम्मीद जगी है।

मार्शल आर्ट के खिलाड़ी बेल्ट व मेडल से पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ⏭| अभनपुर

एनएस मार्शल आर्ट अकादमी अभनपुर द्वारा मेडल सम्मान एवं बेल्ट ग्रेडिंग समारोह का आयोजन गायत्री मंदिर परिसर मे संपन्न हुआ । कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि विधायक इन्द्र कुमार साहू ने प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा मार्शल आर्ट बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और आत्मरक्षा की क्षमता विकसित करता है। अभनपुर के बच्चों में अपार प्रतिभा है और हम उन्हें उच्च स्तर तक पहुँचाने हर संभव सहयोग करेंगे। समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रिका जितेन्द्र बंजारे,भाजयुमो पदाधिकारी लौटन गिलहरे, जि रायपुर सरपंच संघ अध्यक्ष मुकेश ढीढी, लालजी साहू, रूपचंद साहू व प्रेमचंद सोनवानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर अतिथियो द्वारा मेडल और बेल्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में सेंसेई सागर सोनवानी, सेंसेई नेमधारी सोनवानी, सेंसेई राजेश गिलहरे और सीहान मनीष बाघ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह के बाद प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण उपकरणों व स्थायी प्रशिक्षण स्थल की आवश्यकता से विधायक व नगर पालिका अध्यक्ष को अवगत कराया, जिस पर शीघ्र सहयोग का आश्वासन दिया गया।

आरंग कालेज में 21 को लगेगा रोजगार मेला

आरंग। बद्री प्रसाद लोधी स्नातकोत्तर शासकीय महाविद्यालय आरंग में आगामी 21 नवम्बर को प्रातः 10:30 बजे से एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इस रोजगार मेले का उद्देश्य क्षेत्र के विद्यार्थियों तथा स्थानीय युवाओं को विभिन्न राष्ट्रीय एवं स्थानीय कंपनियों में रोजगार एवं इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराना है। इस मेले में एग्रीकल्चर, सर्विस सेक्टर, मैन्युफैक्चरिंग, एजुकेशन, बैंकिंग और अन्य क्षेत्रों की प्रतिष्ठित कंपनियाँ सहभागिता करेंगी। चयन प्रक्रिया के तहत युवाओं को ऑन–द–स्पॉट इंटरव्यू एवं करियर परामर्श की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अभया रा जोगलेकर ने बताया कि यह रोजगार मेला विद्यार्थियों को करियर निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा तथा उन्हें उद्योग जगत की आवश्यकताओं से अवगत कराने में सहायक होगा। महाविद्यालय परिवार ने सभी इच्छुक विद्यार्थियों एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

पेज 11 के शेष...

एपीके फाइल बनाकर ठगी करने वाले इंटर मीडिएट...

उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एपीके फाइल बनाने वाले से लेकर अलग-अलग लोगों तक वाट्सएप, टेलीग्राम में फाइल भेजने वाले को गिरफ्तार किया है। रेंज साइबर पुलिस को जालसाजों से पूछताछ में जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार जालसाज पहले चोरी के डेटा की व्यवस्था करते थे। इसके बाद आरटीओ चालान डॉट एपीके, पीएम किसान योजना डॉट एपीके, आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास योजना आदि नाम से फर्जी एपीके फाइल बनाकर चोरी के डेटा से मिले मोबाइल नंबर पर वाट्सएप, टैक्सट मैसेज, मैसेंजर, टेलीग्राम में भेज कर ठगी करते थे।

ऐसे बनाते थे एपीके फाइल: एपीके फाइल बनाने वाला महाराष्ट्र, पुणे निवासी धर्मजीत सिंह ने पूछताछ में बताया कि वह एपीके को मेलेशियस कोड एम्बेड कर मोबाइल को हैक करने के उद्देश्य से तैयार करता था, जिसमें नकली एंड्रॉइड ऐप का उपयोग करके लोगों की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी चुराते थे। ये ऐप्स अक्सर विश्वसनीय संस्थानों जैसे सरकारी योजनाओं, बैंकों या बिजली बोर्डों के आधिकारिक ऐप के रूप में बनाये होते हैं। एपीके फाइल बनाने के बाद ग्रुप में पांच सौ लोगों को जोड़कर बेचने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करता था। इसके बाद सरकारी के साथ विश्वसनीय संस्थानों के नाम से लोगों को वाट्सएप में भेजता था।

सरगुजा संभाग में शीत लहर...

अनुसार, अगले 48 घंटे तक न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होगा। इसके बाद तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक क्रमिक वृद्धि होगी।

शासकीय मेडिकल कालेजों में...

लोक सेवा आयोग के द्वारा विज्ञापन जारी किया गया है। इसमें ऑनलाइन आवेदन दिनांक 25 नवंबर से 24 दिसंबर तक छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के द्वारा उपलब्ध लिंक पर किए जा सकेंगे। सहायक प्राध्यापक के 125 पदों में 45 अनारक्षित, 21 अजा, 43 अजजा, 16 अपवि वर्ग के अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान किया गया है।

व्यापारिक एकजुटता और कई मुद्दों पर की चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज बलौदाबाजार द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चैंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी सहित चैंबर प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ। समारोह का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक एकजुटता को मजबूत करना और स्थानीय व्यापार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिले के व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए, चैंबर के स्थायी कार्यालय-चैंबर भवन निर्माण के लिए भूमि की उपलब्धता पर चर्चा की गई। इस संबंध में नगरपालिका अध्यक्ष आलोक जैन से विशेष रूप से "साथी बाजार" की तर्ज पर बलौदाबाजार में चैंबर भवन के लिए उचित मूल्य पर भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने बलौदाबाजार जिले से व्यापारियों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और अधिक मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में नए सदस्य बनाने का संकल्प लिया। यह निर्णय चैंबर की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर निकेश बरड़िया, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, लोकेश चंद्रकांत जैन, दिलीप इसरानी, मनीष प्रजापति, श्रीचंद छाबड़िया, सुभाष भट्टर एवं आलोक जैन सहित लगभग 200 व्यापारी उपस्थित रहे।

भूटान की पावर लिफ्टिंग स्पर्धा में हरीश को मिला गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ⏭| मंदिर हसौद

राजधानी रायपुर के पास स्थित ग्राम पंचायत सकरी बाराडेरा के किसान पुत्र हरीश कुर्रे पिता रामदास कुर्रे ने भूटान थिम्पू में अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा पॉवर लिफ्टिंग में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता। जिससे सतनामी समाज व छतीसगढ़ को गौरांवित किया । ग्राम सकरी के हरीश कुर्रे किसान मजदूर का बेटा के गोल्ड मेडल जीतने पर पूरे गांव और प्रदेश में हर्ष का माहौल है। जहां जीत पर रायपुर कृषि उपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष नारायण कुर्रे .सतनामी समाज छत्तीसगढ़ के युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष कमल कुर्रे ग्राम पंचायत सकरी के सरपंच प्रतिनिधि प्रशान्त कुर्रे .पंच लष्मी नारायण. लक्ष्मण लहरे. आनंद डहरिया. किसन कुर्रे. जागेश्वर कुर्रे.डोमार लहरे. महेंद्र गेन्द्रे. जय चंद. मोहित दिवाकर. लक्ष्मी नारायण बारले. शिव कुमार.प्रकाश कौशिक. सभी ने बधाई देते हुए गांव में मिठाई बाटे और उनके उज्वल भविष्य की कामना किया।

बड़ी संख्या में हितग्राही पहुंचे जनदर्शन में

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के जनदर्शन में 50 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति पत्र का हुआ वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭| आरंग

छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं आरंग विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने सोमवार को आरंग के नेताजी चौक स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में जनदर्शन आयोजित किया। मंत्री बनने के बाद पहली बार अपने क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे मंत्री का आमजन और जनप्रतिनिधियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सुबह से ही कार्यालय परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी तथा बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनदर्शन के दौरान आरंग के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं मंत्री को बताईं। गुरु खुशवंत साहेब जी ने प्रत्येक फरियादी की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

समस्याओं को तुरंत निराकरण किया जाएगा

सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान करना है, इसलिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। जनदर्शन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के 50 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। स्वीकृति पत्र पाकर लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके अलावा जनदर्शन में कुल 71 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का निराकरण कार्यक्रम स्थल पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों पर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर जल्द कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आरंग विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर जनता से जुड़े और समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। जनदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, महिलाएं, बुजुर्ग, युवा, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं विभिन्न समुदायों के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे। सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुए इस जनदर्शन के माध्यम से क्षेत्र के नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।

संगीतकार लल्ला का हुआ सम्मान

आरंग। नया सवेरा जन कल्याण समिति, छत्तीसगढ़ रायपुर इकाई द्वारा बलौदाबाजार, भिलाई और चांपा इकाई के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को वृंदावन हॉल, सिविल लाइन रायपुर में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आरंग नगर के गौरव, छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध सैक्सोफोन, क्लारनेट वादक तथा अनोखे वाद्ययंत्र घंटी तरंग के किंग लल्ला साहनी (प्रभु ब्रास बैण्ड, आरंग) को विशेष सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं पाटन विधायक भूपेश बघेल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने की। वहीं विशेष अतिथि के रूप में भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा उपस्थित रहे, जिनके करकमलों से लल्ला साहनी का सम्मान किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार धरसींवा 05

मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भः- जिला - **रायपुर** तहसील - **धरसीवा** प.ह.न. - 00003 **कुंरा** ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. **RD2025264407164000015**

// ईश्तहार //

तहसील **धरसीवा** के प.ह.न. 00003 के अंतर्गत ग्राम **कुंरा** के वर्तमान भूमिस्वामी **दुखित पिता/पति-पिता चरण पता-सा. देह** के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1212/22(0.0050) में प्रस्तावित भूमिस्वामी / क्रेता **परस राम साहू पिता/पति-श्री रामकुमार साहू पता-निवासी नगर पंचायत कुंरा तहसील धरसीवा जिला रायपुर छ.ग.** के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक **27/11/2025** को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय **न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार धरसींवा 05** पर की जावेगी ।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/11/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार : Babulal kurrey
उप तहसील - धरसीवा

पीएम सूर्य घर योजना में आवेदन एक लाख के पार, सोलर पैनल लगाने की रफ्तार मंद, सिर्फ साढ़े 12 हजार लगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में आवेदन थोक में आने लगे हैं। इस समय आवेदन एक लाख के पार हो गए हैं, लेकिन जहां तक घरों में सोलर पैनल लगाने का सवाल है, तो अब तक महज साढ़े 12 हजार घरों की छतों पर ही सोलर पैनल लग सके हैं। वेंडरों को हर हाल में 15 दिनों में सोलर पैनल लगाने का फरमान भी जारी किया गया है, लेकिन कहीं तकनीकी परेशानी तो कहीं उपभोक्ताओं को ऋण न मिलने के कारण से सोलर पैनल लगाने में विलंब हो रहा है। वैसे बीते साढ़े तीन माह में 9 हजार से ज्यादा घरों में सोलर पैनल लगे हैं। ऐसे में हर माह तीन हजार के आसपास सोलर पैनल लग रहे हैं। इस रफ्तार को बढ़ाने की कवायद में पॉवर कंपनी जुटी है। वेंडरों की संख्या को भी ढाई सौ से बढ़ाकर साढ़े पांच सौ कर दिया गया है।

साढ़े तीन माह में लगे 9 हजार के आसपास

सब्सिडी एक से डेढ़ माह में

उपभोक्ताओं को डबल सब्सिडी मिल रही है। जहां केंद्र सरकार की सब्सिडी एक माह के अंदर आ जा रही है, वहीं केंद्र सरकार की सब्सिडी के बाद राज्य सरकार की सब्सिडी मिलने में 10 से 15 दिन और लग जाते हैं। ऐसे में डेढ़ माह के अंदर केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी मिल जा रही है।

तेज होगी रफ्तार

योजना में पहले ढाई सौ वेंडर थे, अब इनकी संख्या साढ़े पांच सौ कर दी गई है। आने वाले समय में सोलर पैनल लगाने की रफ्तार तेज होगी।

- भीम सिंह कंवर
एमडी, पॉवर वितरण कंपनी

प्रदेश में दो साल में सवा लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रारंभ में जब इस योजना के प्रति उपभोक्ताओं का रुझान कम था तो प्रदेश सरकार ने जहां राज्य की सब्सिडी का भी ऐलान किया है, वहीं बिजली बिल हॉफ योजना का दायर भी अगस्त से 400 यूनिट से कम करके सौ यूनिट कर दिया गया है। सरकार ने इसको लेकर नारा दिया है बिजली बिल हॉफ से मुफ्त बिजली की ओर।

12 फीसदी ही लगे सोलर पैनल : प्रदेश सरकार की सब्सिडी के बाद आवेदनों की रफ्तार में तो भारी इजाफा हो गया है, पर सोलर पैनल लगाने की रफ्तार मंद है। जुलाई तक महज 50 हजार के आस-पास ही आवेदन थे और चार हजार से भी कम घरों में सोलर पैनल लग सके थे। अगस्त से आवेदनों की रफ्तार ऐसी बढ़ी है कि इस समय आवेदन एक लाख 6523 हो गए हैं। लेकिन सोलर पैनल अब तक महज 12708 ही लग सके हैं। इसका प्रतिशत 12 के आस-पास ही है। वैसे पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि अगस्त के बाद अब तक करीब साढ़े तीन माह में 9 हजार घरों में सोलर पैनल लग गए हैं। कम सोलर पैनल लगने के पीछे का कारण यह बताया जा रहा है कि उपभोक्ता और वेंडरों के बीच तकनीकी समस्या के साथ ही बैंकों से समय पर ऋण का न मिलना अहम है।

खबर संक्षेप

चैंबर के लोकेश और जितेंद्र बने डीआरयूसीसी के सदस्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के दो पदाधिकारियों को डीआरयूसीसी रायपुर संभाग में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी द्वारा किए गए नामांकन को सक्षम प्राधिकारी (महाप्रबंधक) द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। चैंबर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन एवं जितेंद्र शादीजा को दो वर्ष की अवधि के लिए डीआरयूसीसी-रायपुर संभाग में नामित किया गया है। यह नामांकन 15 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगा। चैंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति सुनिश्चित करेगी कि छत्तीसगढ़ के व्यापार और उद्योग जगत से संबंधित रेल उपयोगकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व डीआरयूसीसी में मजबूती से किया जाएगा एवं रेल सेवाओं के संबंध में वाणिज्यिक समुदाय के मुद्दों, सुझावों और आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करेंगे।

राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक पीएमजीएसवाय का करेंगे परीक्षण

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्माणाधीन कार्यों के गुणवत्ता परीक्षण के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। वे बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कांकेर, कोंडागांव और दुर्ग जिले का दौरा कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों का परीक्षण करेंगे। राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षकों से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्रगतिरत सड़कों की गुणवत्ता के संबंध में शिकायत साझा की जा सकती है।

निधन

शांति देवी त्रिपाठी

रायपुर। गुढ़ियारी निवासी शांति देवी त्रिपाठी (85) का सोमवार सुबह 10 बजे निधन हो गया। कोटा स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे स्व. रामकलप त्रिपाठी की पत्नी तथा सूर्यप्रकाश त्रिपाठी, जयप्रकाश त्रिपाठी, पत्रकार वेदप्रकाश त्रिपाठी व विजय प्रकाश त्रिपाठी की माता थीं।

सुशील शर्मा

रायपुर। रायपुरा निवासी सुशील शर्मा का 16 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. गोपाल प्रसाद शर्मा के पुत्र थे।

महंगू लाल आमदे

रायपुर। कंकाली अस्पताल चौक तात्यापारा निवासी महंगू लाल आमदे का 16 नवंबर को निधन हो गया। वे कमला आमदे के पति और शरद एवं संतोष आमदे के पिता थे।

मुजगहन थाना क्षेत्र की घटना, युवती बीमार भाई को खाना देने गई थी

रिश्ते में भाई-बहन को बंधक बनाकर एसआई बन कर डकैती डालने वाली हिस्ट्रीशीटर सहित पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

फर्जी एसआई बन कर रिश्ते में भाई बहन को बंधक बनाकर डकैती डालने के आरोप में पुलिस ने महिला हिस्ट्रीशीटर सहित पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग शामिल है। घटना मुजगहन थाना क्षेत्र कमल विहार में शनिवार-रविवार दरमियानी रात की है। बदमाशों ने युवक तथा युवती को चाकू की नोक पर नकदी सात हजार रुपए लूटने के बाद एटीएम ले जाकर जबरन 25 हजार रुपए आहरण कराए। डकैती डालने के बाद पीड़ितों के हाथ पैर बांध कर बदमाश फ्लैट बंद कर फरार हो गए।

- गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग शामिल

रोशिता टिर्की की शिकायत पर पुलिस ने कोतवाली थाना क्षेत्र की हिस्ट्रीशीटर पूजा सचदेव, आसीमा राव, निखिल सचदेव, अंकित सोनी तथा एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। रोशिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि घटना दिनांक को वह अपने रिश्ते के भाई, जिसकी तबीयत खराब है, उसके लिए वह अपनी छोटी बहन के साथ खाना देने के साथ गरम कपड़े देने कमल विबाह स्थित कृष्णा हाईट्स गई थी। रोशिता अपने भाई को खाना देकर नीचे उतर रही थी। इस दौरान पूजा ने अपने साथियों के साथ रोशिता को घेर लिया और अपना परिचय एसआई के रूप में दिया। फर्जी परिचय देने के बाद पूजा ने रोशिता तथा उसकी बहन पर गलत काम करने का आरोप लगाया और रोशिता तथा उसकी बहन को उसके भाई के फ्लैट में ले गए।

सीसीटीवी से पकड़े गए बदमाश

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने कमल विहार तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की। फूटेज में पूजा सचदेव के देखे जाने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में पूजा ने अपने भाई तथा अन्य साथियों के साथ मिलकर डकैती करने का अपराध कबूल किया। इसके बाद पुलिस ने अन्य आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार किया।

चर्चित संतोष दुबे हत्याकांड की मास्टर माइंड

कोतवाली थाना क्षेत्र में वर्ष 2017 में पूजा सचदेव ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर हिस्ट्रीशीटर संतोष दुबे की बेरहमी के साथ हत्या कर दी थी। पूजा तथा उसके अन्य साथियों को वर्ष 2019 में कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पूजा तथा उसके साथी ने फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। हिस्ट्रीशीटर पूजा वर्तमान में जमानत पर रिहा है।

चाकू की नोक पर मारपीट करने के बाद डकैती

रोशिता तथा उसकी बहन के फ्लैट में ले जाने के बाद पूजा तथा उसके साथियों ने शराब के नशे में मारपीट की। इस दौरान रोशिता का भाई बीच-बचाव करने के लिए आया, तो एक बदमाश ने जेब से चाकू निकालकर रोशिता के भाई के गले में टिका दिया और उनसे दो लाख रुपए देने की मांग की। पैसा नहीं होने की बात कहने पर बदमाशों ने रोशिता के भाई के पर्स से जबरन सात हजार रुपए लूटने के बाद रोशिता तथा उसके भाई को एटीएम बूथ ले गए और उनके अकाउंट से जबरन रुपए निकलवाए। इसके बाद बदमाशों ने रोशिता और उसके भाई को फ्लैट में ले जाकर पुनः मारपीट की और तीनों भाई बहनों के हाथ, पांव रस्सी से बांध दिए। इसके बाद तीनों को कमरे में बंद कर रोशिता के भाई की स्कूटर तथा अन्य घरेलू सामान लेकर मौके से फरार हो गए।

10वीं-12वीं की प्रायोगिक परीक्षाएं एक जनवरी से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दसवीं-बारहवीं की प्रायोगिक परीक्षाओं की तिथि घोषित कर दी गई है। सोमवार को जारी आदेश के अनुसार, शासकीय व निजी विद्यालयों में एक जनवरी से प्रायोगिक परीक्षाएं प्रारंभ होंगी। स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 20 जनवरी तक प्रायोगिक कार्य संपन्न कराएं। बीते शैक्षणिक सत्र तक प्रायोगिक परीक्षाएं 10 जनवरी से प्रारंभ होती रही है। इस बार 10 दिन पूर्व से परीक्षाएं प्रारंभ की जा रही हैं ताकि समय पर विद्यालय प्रबंधन छात्रों के अंक माशिम को भेज सकें। विद्यालयों द्वारा छात्रों के प्रायोगिक परीक्षाओं के अंक प्रेषित किए जाने के बाद ही माशिम अंतिम नतीजे तैयार करता है। कई मामलों में छात्रों के प्रायोगिक अंक समय पर विद्यालयों से नहीं मिल पाने के कारण छात्रों के परीक्षा परिणाम रोकने की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। 10वीं-12वीं बोर्ड की सैद्धांतिक परीक्षाएं मार्च के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होंगी।

- 20 जनवरी तक चलेंगी प्रायोगिक परीक्षाएं, प्राचार्यों के लिए जारी हुए दिशा-निर्देश

स्वाध्यायी छात्रों की परीक्षाएं अभी नहीं

प्रायोगिक परीक्षाओं की ये डेटशीट केवल रेगुलर छात्रों के लिए है। प्राइवेट छात्रों की परीक्षाएं सैद्धांतिक परीक्षाओं के दौरान ही दो विषयों के पर्चों के अंतराल में आयोजित की जाएगी। इसके लिए पृथक से अधिसूचना जारी की जाएगी। रेगुलर छात्रों के लिए होने वाली प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए प्राचार्यों को विस्तृत दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। इसके आधार पर ही परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। प्रायोगिक परीक्षा के साथ प्रायोजना कार्य के लिए भी 1 से 20 जनवरी की तिथि निर्धारित की गई है।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह 20 को

रायपुर। भगवान बिरसा मुण्डा की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में 19 और 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ की धरती अंबिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में राज्य स्तरीय भव्य जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से शुरू होंगी। मुख्य अतिथि के रूप में 20 नवंबर को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस आयोजन में शिरकत करेंगी। जनजातीय गौरव दिवस समारोह के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम, केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गा दास उईके, केंद्रीय राज्य तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री द्वय अरूण साव, विजय शर्मा, आदिम जाति मंत्री विकास मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओमप्रकाश चौधरी, संस्कृति मंत्री रजेश अग्रवाल और सरगुजा लोकसभा के सांसद चिंतामणि महाराज विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

केटीयू में वार्षिक महोत्सव तरंग-2025 का समापन

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव "तरंग 2025" का समापन सोमवार को किया गया। तीन दिनों तक चले इस उत्सव में विद्यार्थियों ने रचनात्मकता, अभिव्यक्ति, संस्कृति और कला के विविध आयामों को अत्यंत उत्साह के साथ प्रस्तुत किया। अंतिम दिवस पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समापन सत्र में सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मोहंती उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के लिए उत्कृष्ट मंच मिलता है। विभाग निरंतर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु सार्थक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

बिजनेस साइट

साईं बाबा नेत्र चिकित्सालय में शुरू हुई आधुनिक बायोप्टिक लेजर तकनीक

रायपुर। साईं बाबा आई हॉस्पिटल ने मोतियाबिंद सर्जरी के बाद चश्मे का नंबर हटाने के लिए उन्नत बायोप्टिक लेजर मशीन द्वारा उपचार शुरू कर दिया है। इस तकनीक से मरीजों को सर्जरी के पश्चात स्पष्ट और बिना चश्मे के दृष्टि मिल सकती है। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. आशीष महोबिया ने वरिष्ठ नागरिकों के हित में सामाजिक पहल करते हुए घोषणा की है कि 31 नवंबर तक प्रीमियम मल्टीफोकल लेंस पर विशेष छूट प्रदान की जाएगी, जिनसे चश्मे की आवश्यकता नहीं रहती। इच्छुक मरीज अस्पताल की वेबसाइट, गूगल पर उपलब्ध नंबरों या सीधे अस्पताल पहुंचकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। अस्पताल में एलवीपीआई हैदराबाद और शंकर नेत्रालय चेन्नई से प्रशिक्षित सात विशेषज्ञों की टीम सेवाएं दे रही हैं, जो महानगरों जैसी विश्वस्तरीय सुविधा रायपुर में उपलब्ध करा रही है। यहां सामान्य सर्जरी से लेकर इंपोर्टेड लेंस वाली प्रीमियम सर्जरी तक सभी विकल्प मौजूद हैं। एसबीएच अस्पताल टचलेस लेसिक, दर्दरहित मोतियाबिंद सर्जरी और अत्याधुनिक उपकरणों के लिए जाना जाता है।

तीन वर्षों से भरोसे का केंद्र बना निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने स्थापना के तीन वर्षों में रायपुर और आसपास के क्षेत्रों में विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा का मजबूत केंद्र बनकर पहचान बनाई है। अस्पताल का संचालन भले ही नया हो, लेकिन इसके पीछे चिकित्सकों का 40 वर्षों का अनुभव जुड़ा है, जो मरीजों को आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ देखभाल उपलब्ध कराता है। अस्पताल अब तक 5000 से अधिक सफल ऑपरेशन कर चुका है और हजारों मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान किया है। निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मेडिसिन, शिशुरोग, हड्डीरोग, हृदयरोग, न्यूरोलॉजी, स्त्रीरोग, यूरोलॉजी, दंत चिकित्सा, जनरल सर्जरी और फिजियोथैरेपी सहित लगभग सभी प्रमुख विभागों की सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। एक्स-रे, सोनोग्राफी, पैथोलॉजी और 24×7 आपातकालीन सेवा इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। महिला एवं प्रसूति सेवाओं में भी अस्पताल ने अपनी अलग पहचान बनाई है। यहां सुरक्षित सामान्य एवं सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध है। नवजात के जन्म पर अस्पताल की ओर से दिया जाने वाला गिफ्ट झूला नई जिंदगी के स्वागत और मानवीय सेवा भाव का प्रतीक बन गया है।

मांदर एनीकट निर्माण के लिए 3.85 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा बस्तर जिले के विकासखण्ड लोहण्डीगुड़ा के मांदर एनीकट निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 85 लाख 60 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के प्रस्तावित कार्यों को पूर्ण हो जाने पर जल संवर्धन, निस्तारी, पेयजल एवं किसानों के द्वारा स्वयं के साधन से 30 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सिंचाई का सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी से एनीकट निर्माण कार्य कराने के लिए मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग जगदलपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

सालों इंतजार के बाद डूंडा से सेजबहार तक जर्जर सड़क-पुल का नवीनीकरण कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ग्राम डूंडा से सेजबहार तक जर्जर हो चुकी मुख्य सड़क एवं पुल के नवीनीकरण का कार्य लोक निर्माण विभाग ने सोमवार से शुरू कर दिया है, जो करीब सप्ताहभर में पूर्ण कर लिया जाएगा। इस मुख्य सड़क एवं पुल का निर्माण वर्ष 2018 में किया गया था। इसे बनाए जाने के बाद कभी भी इन सड़कों की मरम्मत नहीं की गई, जिसके कारण मुख्य सड़क तथा पुल दोनों जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गए थे। स्थिति ऐसी थी कि पुल में बारिश के दिनों में जलभराव होने लगा था, जिससे आवागमन करने वाले लोगों एवं वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी, यह समस्या जल्द ही खत्म हो जाएगी।

- जिला पंचायत उपाध्यक्ष की चेतावनी रंग लाई, पीडब्ल्यूडी विभाग ने शुरू किया

उपाध्यक्ष ने धरना देने की दी थी चेतावनी

डूंडा से सेजबहार की मुख्य सड़क एवं पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण अक्सर इस मार्ग पर दुर्घटनाएं होने लगी थीं। इन दुर्घटनाओं में कई वाहन आपस में टकरा चुके हैं, वहीं कई वाहन अनियंत्रित होकर पलट चुके हैं। इन वाहन में दोपहिया, चारपहिया से लेकर हाईवा गाड़ी भी शामिल है। इन दुर्घटनाओं में कई लोग घायल भी हो चुके हैं। इसे देखते हुए इस क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत रायपुर के उपाध्यक्ष संदीप यदु ने सामान्य सभा में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया था तथा पीडब्ल्यूडी विभाग के अफसरों को चेतावनी दी थी कि एक सप्ताह में नवीनीकरण का कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे उसी सड़क पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। इस चेतावनी को देखते हुए आनन-फानन में अफसरों ने बारिश के दिनों में ही पुल की मरम्मत कराई थी, लेकिन बारिश के कारण नवीनीकरण का कार्य को बारिश के बाद शुरू करने का लिखित में आश्वासन दिया था। इसके तहत विभाग ने सड़क एवं पुल में सड़क नवीनीकरण का कार्य शुरू किया है।

स्ट्रीट लाइट नहीं, अंधेरे में डूबी सड़क

डूंडा से सेजबहार से आगे तक की मुख्य सड़क पर स्ट्रीट लाइटें नहीं लगाई गई हैं, जिसके कारण पिछले कई वर्षों से यह सड़क रात के समय अंधेरे में डूबी रहती है। इसके कारण भी इस मार्ग पर दुर्घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। उपाध्यक्ष ने स्ट्रीट लाइट का मुद्दा भी सामान्य सभा की बैठक में उठाया था, लेकिन इस दिशा में अब तक विभाग की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई है। संदीप यदु ने बताया कि सड़क नवीनीकरण के बाद स्ट्रीट लाइटें लगाने के लिए विभाग पर दबाव बनाएंगे।

पेज 11 के शेष ...

एपीके फाइल बनाकर...

उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एपीके फाइल बनाने वाले से लेकर अलग-अलग लोगों तक वाट्सएप, टेलीग्राम में फाइल भेजने वाले को गिरफ्तार किया है। रेंज साइबर पुलिस को जालसाजों से पूछताछ में जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार जालसाज पहले चोरी के डेटा की व्यवस्था करते थे। इसके बाद आरटीओ चालान डॉट एपीके, पीएम किसान योजना डॉट एपीके, आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास योजना आदि नाम से फर्जी एपीके फाइल बनाकर चोरी के डेटा से मिले मोबाइल नंबर पर वाट्सएप, टैक्सट मैसेज, मैसेंजर, टेलीग्राम में भेज कर ठगी करते थे।

ऐसे बनाते थे एपीके फाइल : एपीके फाइल बनाने वाला महाराष्ट्र, पुणे निवासी धर्मजीत सिंह ने पूछताछ में बताया कि वह एपीके को मेलेशियस कोड एम्बेड कर मोबाइल को हैक करने के उद्देश्य से तैयार करता था, जिसमें नकली एंड्रॉइड ऐप का उपयोग करके लोगों की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी चुराते थे। ये ऐप्स अक्सर विश्वसनीय संस्थानों जैसे सरकारी योजनाओं, बैंकों या बिजली बोर्डों के आधिकारिक ऐप के रूप में बनाये होते हैं। एपीके फाइल बनाने के बाद ग्रुप में पांच सौ लोगों को जोड़कर बेचने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करता था। इसके बाद सरकारी के साथ विश्वसनीय संस्थानों के नाम से लोगों को वाट्सएप में भेजता था।

सरगुजा संभाग में शीत लहर...

अनुसार, अगले 48 घंटे तक न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होगा। इसके बाद तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक क्रमिक वृद्धि होगी।

शासकीय मेडिकल कालेजों में...

लोक सेवा आयोग के द्वारा विज्ञापन जारी किया गया है। इसमें ऑनलाइन आवेदन दिनांक 25 नवंबर से 24 दिसंबर तक छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के द्वारा उपलब्ध लिंक पर किए जा सकेंगे। सहायक प्राध्यापक के 125 पदों में 45 अनारक्षित, 21 अजा, 43 अजजा, 16 अपवि वर्ग के अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान किया गया है।

व्यापारिक एकजुटता और कई मुद्दों पर की चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज बलौदाबाजार द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चैंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी सहित चैंबर प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ। समारोह का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक एकजुटता को मजबूत करना और स्थानीय व्यापार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिले के व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए, चैंबर के स्थायी कार्यालय-चैंबर भवन निर्माण के लिए भूमि की उपलब्धता पर चर्चा की गई। इस संबंध में नगरपालिका अध्यक्ष आलोक जैन से विशेष रूप से "साथी बाजार" की तर्ज पर बलौदाबाजार में चैंबर भवन के लिए उचित मूल्य पर भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने बलौदाबाजार जिले से व्यापारियों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और अधिक मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में नए सदस्य बनाने का संकल्प लिया। यह निर्णय चैंबर की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर निकेश बरड़िया, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, लोकेश चंद्रकांत जैन, दिलीप इसरानी, मनीष प्रजापति, श्रीचंद छाबड़िया, सुभाष भट्टर एवं आलोक जैन सहित लगभग 200 व्यापारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

महावीर स्कूल गुढ़ियारी में लगा आनंद मेला

रायपुर। महावीर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिंदी मध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम गुढ़ियारी में बाल दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा आनंद मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी बच्चों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया, जहां बच्चों ने उसका आनंद उठाया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष विजय सिंह जडेजा, उपाध्यक्ष सत्यनारायण काबरा, प्राचार्य तपन कुमार चौधरी, पल्लवी दुबे, वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल थे।

चार जिलों में 10 बेड वाले प्राकृतिक चिकित्सालय स्वीकृत

रायपुर। शासन द्वारा जशपुर ,मनेन्द्रगढ़ ,रायगढ़ एवं बस्तर में 10 शैय्या युक्त योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय केंद्र के भवन निर्माण हेतु 11 करोड़ 22 लाख 28 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदाय की गई है । जिसमे प्रति चिकित्सालय हेतु कुल 20 चिकित्सकीय स्टाफ एवं कर्मचारी की भी स्वीकृति देते हुए कुल 80 पदों का स्वीकृति प्रदान किया गया। आयुष के अधीनस्थ सभी प्राकृतिक चिकित्सालयों में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की विशेष चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी, जिनका लाभ राज्य के सभी लोगों को प्रदान किया जाएगा। प्राकृतिक चिकित्सा एक समग्र स्वास्थ्य प्रणाली है जो जीवन शक्ति के सिद्धांतों और शरीर की स्व-उपचार क्षमताओं को बढ़ावा देती है। यह शरीर, मन, समाज और आध्यात्मिकता के विभिन्न आयामों में प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने पर जोर देती है। इसके अंतर्गत पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश जैसे पांच प्राकृतिक तत्वों का उपयोग कर शरीर की स्व-उपचार प्रक्रिया को सक्रिय किया जाता है।

वेलनेस सेंटरों में मरीजों के लिए योग का प्रशिक्षण

रायपुर। आयुष विभाग द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत नागरिकों के शारीरिक, मानसिक, बौध्दिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने हेतु राज्य में 32 आयुष योगा वेलनेस सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य जन-जन तक योग की परंपरा को पहुँचाना तथा आधुनिक जीवनशैली में उत्पन्न तनाव, अवसाद एवं अस्वस्थता से मुक्ति दिलाना है। राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित योगा वेलनेस सेंटरों में प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा योगासन, प्राणायाम, ध्यान, सूर्य नमस्कार, प्राकृतिक चिकित्सा एवं आहार परामर्श जैसी गतिविधियाँ नियमित रूप से कराई जा रही हैं। इन केन्द्रों में निःशुल्क नागरिकों को दैनिक योगाभ्यास की सुविधा दी जा रही है। योगा वेलनेस सेंटर न केवल स्वास्थ्य संवर्धन के केंद्र हैं बल्कि "रोग से मुक्त जीवन की ओर जनआंदोलन" के रूप में उभर रहे हैं। विभाग का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को योग से जोड़ना और "फिट इंडिया" की भावना को साकार करना है।

बीपीएल और बुजुर्ग मरीजों का सीटी स्कैन, एमआरआई निशुल्क, एपीएल वालों को देना होगा एक और दो हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मेडिकल कालेज में 200 सीटर हास्टल निर्माण पर बनी सहमति, विभागों की इंप्रेशन मनी में 1 लाख

आंबेडकर अस्पताल की ओपीडी में आने वाले बीपीएल वर्ग और सीनियर सिटीजन मरीजों को सीटी स्कैन और एमआरआई की सुविधा निशुल्क मिलेगी। एपीएल कार्डधारियों को इसके लिए क्रमशः 1 हजार और 2 हजार शुल्क देना होगा। आईपीडी यानी भर्ती होने के बाद सभी वर्ग के मरीजों को यह सुविधा निशुल्क मिलेगी। मेडिकल कालेज में पढ़ाई करने वाले एमबीबीएस के छात्रों के लिए 200 सीटर हास्टल निर्माण पर भी सहमति जताई गई है।

सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर के स्वशासी समिति की बैठक हुई। बैठक में अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के सीटी स्कैन और एमआरआई जांच के लिए व्यवस्था का निर्धारण कर दिया गया है। इसके तहत ओपीडी की जांच के दौरान एपीएल राशनकार्ड वाले आयुष्मान धारकों को जांच के लिए शुल्क देना होगा। इसमें अगर किसी मरीज की आयु 60 साल से अधिक है तो उसे बीपीएल वर्ग के मरीजों की तरह जांच का निशुल्क लाभ मिलेगा। बैठक में विभागों को दिए जाने वाले इंप्रेशन मनी की राशि को प्रति मांगपत्र 10 हजार से बढ़ाकर 1 लाख की गई है। समिति की बैठक में मेडिकल कॉलेज के 200 छात्रों के लिए चयन किए गए छात्रावास भवन पर सहमति दी गई। शीघ्र ही यह छात्रावास संचालन में आ जाएगा। बैठक में डीकेएस अस्पताल के एमसीएच छात्रावास का शुल्क 5 हजार से घटाकर 2 हजार 5 सौ रुपए करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल एवं विधायक सुनील सोनी, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, संभागायुक्त महादेव प्रसाद कांवरे, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा शिखा राजपूत तिवारी, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक रितेश अग्रवाल, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. यूएस पैंकरा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

पैट सीटी और गामा कैमरा के लिए 3 माह

आंबेडकर अस्पताल के कैंसर विभाग में सालों से पड़ी पैट सीटी स्कैन और गामा कैमरा से मरीजों की जांच सुविधा शुरू करने तीन महीने का वक्त निर्धारित किया गया है। अधिकारियों को दोनों मशीनों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था बनाने की नसीहत दी गई है। दोनों मशीन लगभग 21 करोड़ की जिसे वर्ष 2018 में खरीदा गया था। मशीन खरीदी के बाद से वह विवादों की वजह बिना उपयोग के पड़ा हुआ है। मंत्री ने आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता, रीएजेंट एवं कंज्यूमेबल की खरीदी तथा आवश्यक मानव संसाधन की व्यवस्था स्वशासी मद से करने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

इमरजेंसी खरीदी के लिए एनओसी

चिकित्सा महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के लिए अति आवश्यक सामाग्रियों

उपकरण/रीएजेंट/केमिकल/डिस्पोजेबल सामाग्रियां इत्यादि जिनके मांगपत्र सीजीएमएससी को प्रेषित किये गए हैं। उन सामाग्रियों की आपातकालीन आवश्यकता होने पर सीजीएमएससी से एनओसी प्राप्त होने एवं राशि मिलने की प्रत्याशा में अधिष्ठाता स्तर पर छ.ग. भंडार क्रय नियमानुसार आवश्यकता के अनुरूप सामग्री क्रय किये जाने की वित्तीय शक्ति प्रदत्त करने का अनुमोदन किया।

सात साल पुराने पैकेज पर काम कर रहे निजी अस्पताल, कई बार उठ चुकी बदलाव की मांग

पैकेज के संशोधन पर पूरा नहीं हुआ मंथन... बच्चों का पैर सीधा करने का खर्च 50 हजार, आयुष्मान में मिल रहे 3 हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महंगा हुआ इलाज पर नहीं बढ़े आयुष्मान में दाम, गलत पैकेज क्लेम का बड़ा कारण यह भी

निजी अस्पतालों में मरीजों के इलाज में गड़बड़ी के बीच पैकेज में संशोधन की मांग एक बार फिर उठने लगी है। सात साल पुराने पैकेज को रीवाइज करने काफी समय पहले उच्च स्तर पर मंथन के दावे किए गए थे जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। निजी अस्पताल से जुड़े चिकित्सकों का तर्क है कि समय के साथ इलाज महंगा हुआ, मगर योजना के दाम में बदलाव नहीं किया गया है। वर्तमान में छोटे बच्चों के टेढ़े पैर को सीधा करने का खर्च करीब 50 हजार है, मगर आयुष्मान के पैकेज में इसके लिए केवल तीन हजार रुपए निर्धारित हैं।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पिछले कुछ दिनों में दर्जनभर से ज्यादा निजी अस्पतालों को आयुष्मान स्वास्थ्य योजना से निलंबित किया है। इनमें ज्यादातर अस्पतालों में गलत पैकेज ब्लाक करने की शिकायत मिली है। अस्पताल से जुड़े लोगों का कहना है कि इसकी एकमात्र वजह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना का पैकेज रीवाइज नहीं होना है। वर्ष 2018 वाले दरों में संशोधन के लिए आईएमए, एएचपीआई सहित विभिन्न संगठन विभागीय अधिकारियों और स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर चुके हैं। इस मामले में उन्हें आश्वासन तो मिला है, मगर अब तक इस पर मंथन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। स्वास्थ्य योजना में इलाज के लिए जो दरों का निर्धारण किया गया है, वह सात साल पुराना है। जैसे अब सामान्य हो चुके हृदय रोग के इलाज के लिए बाइपास सर्जरी में लगभग 4 और ओपन हार्ट सर्जरी के लिए 6 लाख का खर्च होता है। पैकेज में आवश्यक दवा सहित पूरे उपचार का खर्च एक से ढाई लाख रुपए निर्धारित है। बच्चों में क्लब फूट यानी पैरों का टेढ़ा होने की समस्या बढ़ रही है इसके इलाज के लिए पैकेज में 3 हजार रुपये तय है, जबकि इसका वास्तविक खर्च 50 हजार निर्धारित हैं। इसी तरह कई अन्य तरह की बीमारियों के लिए भी पैकेज में निर्धारित दर काफी कम है।

खास खबर

वर्ष 2022 की दर लागू नहीं

योजना के पैकेज में संशोधन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2022 में कई बीमारियों के पैकेज में नया दर तय किया गया था। इस पैकेज को राज्य में लागू करने की योजना थी, मगर इस पर अमल नहीं किया जा सका। तीन साल पुराने पैकेज में काफी हद तक अंतर को कम करने का प्रयास किया गया था, मगर किसी कारणवश इसे राज्य में लागू नहीं किया जा सका। सात साल में चिकित्सकीय उपकरण के साथ अन्य सामग्री की कीमत में काफी बदलाव हुआ है, इसलिए पुराने पैकेज को काफी कम माना जा रहा है।

उद्देश्य पूरा करने बदलाव जरूरी

एएचपीआई के छत्तीसगढ़ अध्यक्ष डा. राकेश गुप्ता ने कहा कि शासन आम जनता को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना चाहती है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के पैकेज में संशोधन किया जाना आवश्यक है। एएचपीआई के अलावा आईएमए सहित अन्य संगठन काफी समय से इसकी मांग कर रहे हैं। सात साल में चिकित्सकीय उपकरणों सहित अन्य वस्तुओं के दाम तो बढ़े मगर स्वास्थ्य सहायता योजना में निर्धारित दर पर किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया।

प्रमुख बीमारी और उसके पैकेज

- स्पाइन सर्जरी सामान्यतः खर्च 90 हजार के लगभग मगर पैकेज में 44 हजार निर्धारित
- न्यूरो सर्जरी का खर्च 7 लाख के आसपास पैकेज 70 से 80 हजार का
- पैरों में फ्रैक्चर के इलाज में 30 हजार तक खर्च योजना की दर 15 हजार
- हिप रिप्लेसमेंट के उपचार में 50 हजार का व्यय योजना का पैकेज 30 हजार
- आग में झुलसने वालों की सर्जरी का खर्च एक से सवा लाख, पैकज 65 हजार

कार्ड बनाने में भी दिलचस्पी नहीं

इस योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड के आधार पर आयुष्मान कार्ड और 70 साल से अधिक उम्र वालों के लिए वय वंदना कार्ड की सुविधा दी गई है। विभाग के काफी प्रयास के बाद भी इन कार्डधारकों की संख्या पूरी नहीं हो पाई है। अभी भी आयुष्मान का लक्ष्य करीब दस फीसदी और वय वंदना कार्ड बनाने का काम पचास फीसदी से अधूरा है।

बीएससी नर्सिंग : फिर खुला पोर्टल, निजी कॉलेजों में सरकारी से 1400 गुना अधिक सीट रिक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए पोर्टल दोबारा खोल दिया गया है। नर्सिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले की तिथि आईएनसी अर्थात इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा तय की जाती है। आईएनसी द्वारा दाखिले की तिथि बढ़ाए जाने बाद प्रदेश स्तर पर चिकित्सा शिक्षा आयुक्त द्वारा नया शेड्यूल जारी करते हुए दोबारा पंजीयन के लिए साइट खोल दिया गया है। जो छात्र पहले प्रवेश नहीं ले सके थे, वे अब ऑनलाइन पंजीयन कर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि पात्रता संबंधित शर्तों में किसी तरह की कोई रियायत नहीं दी गई है। बीएससी नर्सिंग के लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जाने वाले प्रवेश परीक्षाओं में न्यूनतम 50 पर्सेंटाइल प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही पंजीयन और प्रवेश के लिए पात्र होंगे। अभ्यर्थियों को निर्देश दिए गए हैं कि आवेदन की अंतिम तिथि तक सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें।

- इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने 30 नवंबर तक बढ़ाई है तिथि, पर्सेंटाइल में फिलहाल राहत नहीं

ऐसा है शेड्यूल

- ऑनलाइन आवेदन की शुरुआतः 17 नवंबर, सुबह 11:00 बजे
- आवेदन की अंतिम तिथिः 22 नवंबर, रात 11:59 बजे
- मेरिट लिस्ट जारी करने की तिथि : 23 नवंबर
- संस्था स्तर पर प्रवेश : 23 से 25 नवंबर

शासकीय महाविद्यालय में सिर्फ 3 सीटें रिक्त

प्रदेश में बीएससी नर्सिंग की 7751 सीटें हैं। इनमें से शासकीय महाविद्यालयों में मात्र 410 सीटें हैं। शेष 7341 सीट निजी महाविद्यालयों की है। इनमें से शासकीय महाविद्यालयों की 407 सीट पहले ही भर चुकी हैं। जबकि निजी संस्थानों की 2917 सीटों पर ही प्रवेश हो सके हैं। इस तरह से शासकीय महाविद्यालयों में 3 तथा निजी महाविद्यालयों में 4224 सीट रिक्त है। निजी महाविद्यालयों में रिक्त सीटों की संख्या शासकीय महाविद्यालयों में रिक्त सीट संख्या से 1408 गुनी है। रिक्त सीटों की संख्या को देखते हुए नर्सिंग महाविद्यालयों ने पर्सेंटाइल में राहत देने की मांग की है। निजी नर्सिंग महाविद्यालय संघ के संयोजक राजीव गुप्ता ने कहा, अंतिम चरण में पर्सेंटाइल पिछले वर्षों में कम किए जाते रहे हैं। इस कारण सीट नहीं भर पाती हैं। दोबारा आरंभ किए गए पंजीयन में भी पर्सेंटाइल संबंधित पुरानी शर्तों को ही बरकरार रखा गया है।

फैक्ट्री में बच्चों से कराया जा रहा था काम आकस्मिक निरीक्षण में 70 किए गए रेस्क्यू!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के खरोरा क्षेत्र की कुछ फैक्ट्रियों में सोमवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम जांच करने पहुंची। इस जांच के दौरान एक-दो फैक्ट्री में बड़ी संख्या में बाल मजदूर पाए गए, जिसकी सूचना आयोग ने महिला एवं बाल विकास एवं जिला बाल संरक्षण विभाग को दी। इस सूचना पर विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर लगभग 70 बच्चों को रेस्क्यू किया है! इनमें बालक एवं बालिकाएं दोनों हैं। रेस्क्यू के बाद सभी बच्चों को माना बाल संरक्षण केंद्र में रखा है। हालांकि विभाग के अधिकारियों से संपर्क नहीं होने के कारण इस खबर की पुष्टि नहीं हो पाई है, वहीं रेस्क्यू किए गए बच्चों की संख्या भी कम या ज्यादा हो सकती है।

सख्त कार्रवाई के निर्देश

सूत्र के अनुसार इतने सारे बच्चों से काम लेने वाले फैक्ट्री प्रबंधक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश आयोग ने विभाग को दिए हैं। इस मामले में धारा 13-14,15 और धारा 75 के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

मशरूम फैक्ट्री में कार्य करते मिले बच्चे

सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम किसी शिकायत के आधार पर खरोरा क्षेत्र अंतर्गत कुछ फैक्ट्रियों में जांच करने पहुंची थी। इस जांच के दौरान एक मशरूम फैक्ट्री में बड़ी संख्या में नाबालिग बच्चे कार्य करते मिले। आयोग ने इसके बाद तत्काल इसकी सूचना महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला संरक्षण विभाग को दी। इसके बाद विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच करते हुए फैक्ट्री से लगभग 70 बच्चों को रेक्स्यू किया। बताया जा रहा है कि ये सभी बच्चे फैक्ट्री में कार्य करने वाले मजदूरों के ही बच्चे हैं। इन बच्चों को कार्य के बदले पैसे भी दिए जाते थे। फिलहाल इन बच्चों को रेस्क्यू कर माना बाल संरक्षण केंद्र लाया गया है। इस मामले में बच्चों के परिजनों, निवास के साथ कब से उनसे काम कराया जा रहा है, इस संबंध में पूछताछ की जा रही है।

कलेक्टर जनचौपाल के आवेदन विभागों को भेजे नहीं हुआ निराकरण, अब भी सैकड़ों अर्जियां लंबित

आवेदन करने के बाद भटक रहे पीड़ित, मिल रहा आश्वासन लेकिन समस्याएं जस के तस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के ऐसे कई लोग हैं, जो अपनी समस्या एवं शिकायत का निराकरण संबंधित विभागों में नहीं होने के बाद थक हारकर रायपुर कलेक्टोरेट के जनचौपाल कक्ष पहुंचते हैं। लोगों की समस्या एवं शिकायतों के निराकरण करने के लिए कलेक्टर ने विशेष रूप से जनदर्शन कक्ष बनाया हुआ है, जहां किसी भी प्रकार की समस्या एवं शिकायत की जा सकती है। कलेक्टर पर विश्वास करते हुए लोग हर दिन जनचौपाल कक्ष में आवेदन करने भी पहुंच रहे हैं, जिनमें कई लोगों की समस्या एवं शिकायतों का निराकरण भी किया जा रहा है, लेकिन ऐसे सैकड़ों लोग हैं, जिनके आवेदन देने के बाद कई महीनों बाद भी उनकी समस्या एवं शिकायतों का निराकरण नहीं हो पाया है। कलेक्टोरेट जनचौपाल कक्ष में लोगों की समस्या एवं शिकायतें सुनने के लिए हर दिन अलग-अलग विभागों के अफसरों की ड्यूटी लगाई जा रही है। ये अफसर समस्या एवं शिकायत लेकर आने वाले लोगों के आवेदन लेने के साथ उनकी समस्या और शिकायत भी सुनते हैं। इसके बाद ये अफसर इन आवेदनों को संबंधित विभाग के अफसरों के नाम पर मार्क कर निराकरण करने भेज रहे हैं।

कागजों में निराकरण बता रहे विभाग के अफसर

जनचौपाल कक्ष में ऐसे आवेदन हैं, जिनकी समस्या-शिकायत का निराकरण नहीं किया गया है। इसके बाद भी आवेदकों को संतुष्ट बता दिया गया है। इनमें ज्यादातर राजस्व विभाग से संबंधित प्रकरण हैं। सूत्र के अनुसार कलेक्टोरेट जनदर्शन कक्ष में सालभर में राजस्व से संबंधित पांच सौ से अधिक आवेदन किए गए हैं, जिनमें से अभी भी डेढ़ सौ से ज्यादा लंबित हैं। इनमें ज्यादातर आवेदनों के विवाद प्रकरण है, जिनका निराकरण करने में अफसर भी दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। इसके अलावा कई प्रकरणों में आवेदकों को संतुष्ट बताकर कागजों में आवेदनों को निराकृत बता दिया गया है, वहीं कुछ ऐसे भी प्रकरण हैं, जिनमें आवेदकों द्वारा बार-बार जनदर्शन कक्ष में आवेदन देने के बाद भी निराकरण नहीं किया गया है।

केसः1

सतनामीपारा रायपुर निवासी दीपक टंडन ने पूर्व में कई बार जनचौपाल कक्ष में ग्राम तेलीबांधा स्थित खसरा नंबर 454-4 रकबा 0.127 हे. एवं खसरा नंबर 315-2 रकबा 0.736 हे. भूमि को मृत व्यक्ति को खड़ा कर रजिस्ट्री कराने के मामले में शिकायत की थी। इस शिकायत में ऋण पुस्तिका जारी करने वाले तत्कालीन तहसीलदार, पटवारी, अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी। इस आवेदन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस मामले में मृतक की जगह जिस व्यक्ति को खड़ा किया था उसे आरोपी मानते हुए सजा मिल चुकी है।

केसः2

छत्तीसगढ़ नगर रायपुर निवासी धर्मेंद्र प्रधान पूर्व में कई बार आवेदन दे चुके हैं। इस आवेदन में ग्राम उरला अभनपुर स्थित एक मंदिर ट्रस्ट की जमीन को बगैर कलेक्टर अनुमति से बेचने के मामले में जांच कर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में अब तक कोई जांच पड़ताल नहीं की गई है।

राज्य शासन से मिलने वाली अनुदान की राशि अब तक वाहन मालिकों को नहीं मिल पाई

ई-व्हीकल 52 हजार से ज्यादा, सब्सिडी राशि का 116 करोड़ बकाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वित्तीय वर्ष 2022-23 से चालू वित्तीय वर्ष में वाहन मालिकों को नहीं मिल पाई है सब्सिडी की राशि

वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने केंद्र के साथ राज्य सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए केंद्र के साथ राज्य सरकार द्वारा लोगों को ईवी खरीदने प्रोत्साहित करने रोड टैक्स सहित कीमत में सब्सिडी दे रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 से चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अक्टूबर तक की स्थिति में सब्सिडी की राशि 115 करोड़ 85 लाख रुपए से ज्यादा की सब्सिडी राशि ईवी खरीदने वाले 52 हजार 265 लोगों को नहीं मिल पाई है।

ईवी को बढ़ावा देने राज्य में 31 अगस्त 2022 से पांच वर्ष के लिए ईवी पॉलिसी लागू की गई है। जब ईवी पॉलिसी लागू की गई उस समय ईवी वाहन के प्रकार के अनुसार नए वाहन में 100 प्रतिशत तक रोड टैक्स में छूट दी गई। वर्तमान में रोड टैक्स में 50 प्रतिशत तक छूट है। इस तरह वाहन के प्रकार के अनुसार 10 प्रतिशत से लेकर एक लाख रुपए तक राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी दी गई है। रोड टैक्स सहित अन्य टैक्स में कटौती के बाद भी ईवी की बिक्री में लगातार इजाफा हो रहा है। राज्य में वर्तमान में पौने दो लाख के करीब ईवी कार, दोपहिया सहित मालवाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इसमें 50 सीसी से कम स्पीड वाले करीब 30 हजार वाहन शामिल हैं। ऑटोमोबाइल डीलरों का कहना है कि ईवी की डिमांड पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए ब्रांडेड कंपनियों द्वारा नई वैरायटी और आर्कषक वाहनों को लांच किया जा रहा है।

ईवी को प्रमोट करने ऐसे बनाए थे नियम

राज्य सरकार द्वारा 31 अगस्त 2022 को 5 साल के लिए ईवी पॉलिसी लागू की गई है। इसमें पहले दो साल रजिस्ट्रेशन और रोड टैक्स में पूरी तरह से छूट। इसके बाद 2 साल तक रोड टैक्स में 50 फीसदी और इसके बाद रोड टैक्स में 25 फीसदी की छूट मिलेगी। साथ ही वाहन की कीमत का न्यूततम 10 फीसदी और अधिकतम 1.50 लाख की सब्सिडी का प्रावधान किया गया था। वहीं हाईब्रिड वाहनों की कीमत की 50 फीसदी तक छूट मिल रही थी। इसके चलते लगातार लक्जरी वाहनों की खरीदी का ग्राफ बढ़ने के बाद पंजीकृत वाहनों को न्यूनतम 10 फीसदी और अधिकतम 1 लाख के साथ ही 10 लाख से ज्यादा कीमत वाले वाहनों की सब्सिडी को समाप्त कर दिया गया है।

बकाया सब्सिडी का फैक्ट फाइल

वर्ष	वाहनों की संख्या	बकाया
2022-23	3669	7 करोड़ 44 लाख 32 हजार 516
2023-24	15938	34 करोड़ 98 लाख 43 हजार 981
2024-25	24125	52 करोड़ 19 लाख 68 हजार 408
2025-26	8533	21 करोड़ 22 लाख 60 हजार 620

शासन को पत्र लिखा है

ईवी की बकाया सब्सिडी राशि वाहन मालिकों को देने के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। राशि मिलते ही जल्दी ही वाहन मालिकों को वितरण किया जाएगा।

- डी. रविशंकर, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त

परिवहन विभाग ने लिखा पत्र

ईवी वाहन मालिकों को सब्सिडी का लाभ जल्द से जल्द मिले। इसके लिए परिवहन विभाग के अफसरों ने राज्य शासन को सब्सिडी की राशि देने बजट की मांग की है। शासन से सब्सिडी की राशि मिलने के बाद परिवहन विभाग ईवी गाड़ी खरीदने वाले जिन्हें अब तक सब्सिडी की राशि नहीं मिली है, उनके अकाउंट में देंगे।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 18 नवंबर 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

सर्द रातों में खानपान के शौकीन बढ़ा रहे ...

एजुकेशन लाइव

साउथ ईस्टर्न रेलवे में अप्रेंटिसशिप के 1785 पदों पर निकली भर्ती, 10वीं पास कर सकेंगे आवेदन

रायपुर। रेलवे में नौकरी पाने का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। साउथ ईस्टर्न रेलवे कोलकाता की ओर से अप्रेंटिसशिप के 1785 रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती निकाली गई है। नोटिफिकेशन के मुताबिक इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया कल यानी 18 नवंबर से स्टार्ट हो जाएगी जो निर्धारित अंतिम तिथि 17 दिसंबर 2025 तक जारी रहेगी। इस भर्ती में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी ने मान्यता प्राप्त बोर्ड/ संस्थान से 10वीं (10+2 प्रणाली के तहत) कक्षा उत्तीर्ण की हो और साथ ही संबंधित ट्रेड/ क्षेत्र में ITI सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो। इसके साथ ही उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 15 वर्ष से कम और अधिकतम आयु 24 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी। उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 को ध्यान में रखकर की जाएगी। जो भी उम्मीदवार भर्ती के लिए पात्रता पूरी करते हैं वे इसमें शामिल होने के लिए केवल ऑनलाइन माध्यम से RRC SER की ऑफिशियल वेबसाइट rrcser.co.in पर जाकर आवेदन कर पाएंगे।

एप्लीकेशन फॉर्म भरने का तरीका

आरसी एसईआर भर्ती 2025 आवेदन पत्र भरने के लिए आधिकारिक पोर्टल **rrcser.co.in** पर जाना होगा।होम पेज पर भर्ती से संबंधित लिंक पर क्लिक करना होगा।अब आपको रजिस्टर बटन पर क्लिक करना है और मांगी गई डिटेल भरकर पंजीकरण कर लेना है।रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर लें। अंत में उम्मीदवार पूर्ण रूप से भरे हुए फॉर्म का एक प्रिंटआउट निकालकर सुरक्षित रख लें।

एप्लीकेशन फीस

इस भर्ती में शामिल होने के लिए अन्य सभी वर्गों से आने वाले उम्मीदवारों को 100 रुपये फीस के रूप में जमा करना होगा। फीस ऑनलाइन माध्यम से जमा की जा सकती है। एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी एवं महिला वर्ग से आने वाले अभ्यर्थी भर्ती में शामिल होने के लिए निशुल्क रूप से फॉर्म भर सकते हैं।

● होटलों में शुरू हुई क्रिसमस की तैयारियां, ड्राई फ्रूट्स से तैयार किया जा रहा स्पेशल प्लम केक

क्रिसमस में प्लम केक बढ़ाएगा स्वाद, होटलों में महीनेभर पहले से तैयारी शुरू, फ्लेवर देने डालेंगे ड्राई फ्रूट्स-नट्स

क्रिसमस के सेलिब्रेशन में वैसे तो महीनेभर से अधिक का समय है, लेकिन इसकी तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। इस बार भी शहर के बड़े होटलों में क्रिसमस के मौके पर प्लम केक का स्वाद चखने को मिलेगा। होटलों में इसे तैयार करने का काम शुरू हो चुका है। क्रिसमस में प्लम केक खाने की पुरानी परंपरा है। इसे बनाने में एक महीने से भी अधिक समय लगता है। बाजार में भी ऑर्डर पर सप्लाई करने व बेचने के लिए इसे तैयार किया जा रहा है।

रायपुर। शहर के प्रमुख होटलों में विशेष प्लम केक तैयार हो रहा है। होटल प्रबंधकों ने बताया कि केक मिक्सिंग के जरिए अब फ्लेवर दिया जाएगा। केक सेरेमनी क्रिसमस के आगमन और सर्दियों की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए आयोजित की जाती है। इसे अच्छी खबर और खुशियों के लिए भी शुभ मानते हैं। केक मिक्सिंग के साथ ही क्रिसमस कार्निवल शुरू हो जाता है और यह ईस्टर तक चलता है। इस खास मिक्सिंग से तैयार रॉ मटेरियल को कंटेनर में डाल दिया जाएगा, जिसे क्रिसमस से पहले खोला जाएगा।

होटलों में ड्राई फ्रूट्स से प्लम केक

दिसंबर में ठंड अधिक होती है इस वजह से होटलों में तैयार किए जा रहे प्लम केक में ड्राई फ्रूट्स का उपयोग अधिक किया जा रहा है, ताकि ठंड के समय खाने से सेहत भी अच्छी रहे। इसी महीने 20 तारीख के बाद कोर्टयार्ड व सायाजी में केक मिक्सिंग होगी। विभिन्न जगहों पर 8 से 10 किलो तक काजू, बादाम, अखरोट, किशमिश, मुनक्का, ऑरेंज पिल्स और टूटी-फ्रूटी को केक में शामिल किया गया है। केक को शहद, सोंठ, दालचीनी पाउडर के साथ मिलाकर लगभग 15 से 20 दिनों तक रखा जाता है, जिससे एक अलग फ्लेवर और ड्राई-फ्रूट्स में अलग प्रकार का स्वाद लोगों को मिलेगा।

रम केक में चॉकलेट बढ़ाएगा स्वाद

होटल में क्रिसमस पर रम केम तैयार किया जा रहा है, जिसमें महंगी वाइन का इस्तेमाल किया जाएगा। केक में रंगीन चैरी, डेट्स, प्लम और भी तरह-तरह के ड्राई फ्रूट्स के साथ करंट्स, सॉल्टनेज, ड्राइड फिग्स, ग्लेस चैरिज, ब्राउन शुगर, मिक्स्ड मसाले, बादाम फ्लैक्स को मिलाकर केक मिक्सर तैयार किया गया। केक का स्वाद बढ़ाने के लिए अनानास और चॉकलेट भी डाला गया है। यह केक पाइनएप्पल, स्ट्रॉबेरी, बटरस्कॉच, मैंगो के स्वाद में होटल में लोगों को मिलेगा।

होटलों में होगा क्रिसमस सेलिब्रेशन

होटलों में प्लम केक को क्रिसमस के दिन होटल में ठहरे गेस्ट को उपहार स्वरूप दिया जाएगा। क्रिसमस के दिन वायलिन की धुन पर विभिन्न व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। केक सेरेमनी का आयोजन यूरोप में हुआ करता है। बीते कुछ वर्षों से शहर में भी इसका चलन बढ़ गया है। होटलों में 25 दिसंबर को क्रिसमस सेलिब्रेशन होगा। इस दौरान होटलों में विशेष सजावट दिखेगी।

क्रिसमस के लिए बनाएंगे शुगर फ्री केक

शहर में क्रिसमस को लेकर दुकानों पर महीनेभर पहले से स्पेशल केक बनाना शुरू कर देते हैं। दुकानदारों का कहना है कि क्रिसमस पर चेरी केक, बटर ड्राई फ्रूट केक, चॉकलेट प्लम केक, बटर आलमंड केक, फ्रूट केक सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। प्लम केक भी बनाया जाएगा, क्योंकि क्रिसमस पर प्लम केक खाने का रिवाज है। इसकी मांग अधिक है।

केक में सूखे मेवे के साथ फल और शराब भी

दुकानों पर भी चर्च के लिए स्पेशल प्लम केक बनाने का काम शुरू हो चुका है। समता स्थित ब्रो बैकरी के संचालक वेदांत शर्मा ने बताया कि शहर के दो चर्च से अभी तक ऑर्डर मिला है। शराब और ड्राई फ्रूट्स की मदद से लगभग 30 किलो से भी अधिक क्रिसमस स्पेशल केक तैयार किए जा रहे हैं। चार दिन बाद केस मिक्सिंग में चेरी, खजूर, आलूबुखारा और सूखे मेवों को एक साथ मिलाया जाएगा। क्रिसमस में अब महीनेभर का समय बच हुआ है। इस बार केक में लगभग 25 किलो मिश्रित सूखे मेवों को दालचीनी, जायफल के साथ मिलने की तैयारी है। इसे क्रिसमस तक एक कंटेनर में रखा गया है। विभिन्न प्रकार के सूखे मेवों को केक तैयार करते समय शामिल किया जाएगा। केक बनाने के लिए इन चीजों को मिलाकर जितनी देर तक रखा जाएगा, केक उतना ही स्वादिष्ट बनेगा।

सिटी इवेंट

परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए एक एथलीट की तरह मन से करें तैयारी

रायपुर। सेमेस्टर परीक्षाओं से पहले छात्रों को स्टेस मैनेजमेंट की प्रभावी रणनीतियों की तैयारी कराने के लिए मैक सभागार में शांत मन, बेहतर अंक शीर्षक से एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाराज अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में अतिथियों ने छात्रों को परीक्षा की अवधि में शांत मन को कैसे केंद्रित कर सकते हैं, भावनात्मक रूप से शिक्षा के प्रति लगाव बढ़ाने के लिए अपने से बेहतर लोगों के बीच जाएं और उनकी कड़ी मेहनत को जानने का प्रयास करें, बेहतर होगा अगर परीक्षा की तैयारी एक एथलीट की तरह मन से करें तो परीक्षा में आपका प्रदर्शन भी अच्छा होगा। चेयरमैन रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन राजेश अग्रवाल, सचिव सरिता अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. जासमीन जोशी, उप-प्राचार्य डॉ. श्वेता तिवारी और एडमिस्ट्रेटर शिवांगी मिश्रा के मार्गदर्शन में सोमवार को यह आयोजन किया गया।

नई अवधारणाओं का अभ्यास करने पर जोर

इस प्रेरक सत्र का नेतृत्व मंदीप सिंह भाटिया और उनकी टीम ने किया। श्री भाटिया ने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए एक एथलीट की तरह मन को प्रशिक्षित करने पर जोर देते हुए कहा कि इसमें स्मृति, निर्णय लेने और गति में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। विद्यार्थियों को बताया कि स्मरण शक्ति बढ़ाने, निर्णय क्षमता मजबूत करने और मानसिक प्रदर्शन सुधारने की प्रभावी तकनीक पर चर्चा की। उन्होंने सत्र में स्वीकृति, पॉवर पोज, डिटैच तकनीक, स्वस्थ नींद-चक्र, स्मार्ट लर्निंग विधियों जैसे 75-25 नियम, तीन घंटे का रिवीजन चक्र और प्रतिदिन एक घंटे की नई अवधारणाओं के अभ्यास पर भी जोर दिया।

प्रकृति में समय बिताने से मन को मिलती है शांति

उन्होंने कहा कि प्रकृति में समय बिताने से मन शांत, सजग और अधिक ऊर्जावान बनता है। सभी विभागों के विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, इसमें छात्रों ने परीक्षा से जुड़े अपने प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त किया। सभी विभागों से उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने सत्र को जीवंत बना दिया। इसका समापन एक प्रश्नोत्तर सत्र से किया गया। इसमें छात्रों के तनाव और परीक्षा की तैयारी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रभारी शिखा सिंह राजपूत ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कॉलेज प्रबंधन, विभागाध्यक्ष और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

रोचक खेलों से सजी मीटिंग मीना बनीं क्वीन ऑफ द गेम

रायपुर। हर बार की तरह ही महिलाओं की मीटिंग भी रोचक गेम्स का हिस्सा बनी। हर बार मिलने पर एक नया गेम लेकर उत्साहित के साथ महाराष्ट्र मंडल सरोना केंद्र की महिलाओं ने इस बार भी पहल की। इसमें मीना नवरे को 'क्वीन ऑफ द गेम' चुना गया। गिलास में सिक्का डालने की प्रतियोगिता में डॉ. अलका गोले सर्वाधिक सिक्के डालकर विजेता चुनी गईं। गीता दलाल ने बताया कि सरोना केंद्र की महिलाओं ने बैठक आहूत करके भावी सेवा कार्यों की रूपरेखा तैयार की। इस अवसर पर कई रोचक खेल भी खेले। एक गेम में ए- टू जेड अक्षर से शुरू होने वाले हिन्दी फिल्मी गीत लिखने थे। दूसरा लकी गेम था, इसमें पेपर गिलास की तली में नवंबर- दिसंबर लिखा हुआ था। छह ग्लास में से तीन गिलास चुनकर, डायस से छह चांस में सिक्के डालने थे। जिसके ज्यादा सिक्के, वो विजेता रहा।

ताज पहनाकर किया सम्मानित

इसमें डॉ. अलका गोले प्रथम और दीप्ति शिलेदार द्वितीय रहीं। गाने वाले खेल में मीना नवरे विजेता रहीं। मीना को क्वीन ऑफ द गेम का ताज पहनाकर सम्मानित किया गया। गीता के मुताबिक, इस अवसर पर केंद्र की सदस्या रमा धारवड़कर और अलका मोडक का जन्मदिन भी सेलिब्रेट किया गया। अंत में सभी महिलाओं ने मिलकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर आरती ठोंबरे, मीना परदेशी, प्रियंका बोरवणकर, विभा पांडे, प्रवीणा बापट, नेहा किल्लेदार, वनजा भावे, दीप्ति शिलेदार आदि शामिल हुईं। सभी के सहयोग से तय समय में मीटिंग के बीच आपसी तालमेल बनाने के लिए उत्सव का भी रूप देते हैं।

जांच शिविर में जाने कैंसर के लक्षण, डॉक्टर ने दिया परामर्श

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर वेस्ट और संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में संजीवनी हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों और तकनीशियनों द्वारा करीब 50 लोगों की जांच की गई। शिविर में डॉ. यूसुफ मेमन, डॉ. मौ राय और डॉ. अर्पण चतुरमोहता ने अपनी सेवाएं दीं। विशेषज्ञों ने कैंसर से बचाव, शुरुआती लक्षणों की पहचान और समय पर इलाज के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी जरूरी परामर्श भी दिया गया। आयोजन का उद्देश्य आमजन को कैंसर के प्रति जागरूक करना और समय रहते जांच के लिए प्रेरित करना था। इस दौरान अन्य बीमारियों के बारे में लोगों को जानकारी दी और उन्हें लक्षणों की पहचान बताई। शिविर में परामर्श के बाद दवाएं दी गईं।

कार्नर न्यूज

दूल्हा-दुल्हन को स्टार्स की तरह लोगों के बीच लाने के लिए स्टेज सजावट पर 6 लाख तक खर्च कर रहे

लेजर लाइट की चकाचौंध, फायरवर्क से दूल्हे-दुल्हन पर फूलों की वर्षा, आदियोगी और ऑन स्टेज एंट्री का क्रेज

रायपुर। कुछ साल पहले तक हाईप्रोफॉइल शादियों में दूल्हे-दुल्हन की लोगों के बीच पालकी, कस्टमाइज्ड रथ पर होने वाली एंट्री को ही ग्रैंड माना जाता था, लेकिन अब बड़े होटलों में होने वाली आलीशान शादियों में संगीत और डांसर्स के साथ लेजर लाइट की चकाचौंध के बीच मधुर संगीत पर डांसर्स के साथ दूल्हे और दुल्हन की ऑन स्टेज ग्रैंड एंट्री पर फायरवर्क के जरिए फूलों की वर्षा का ट्रेंड इस सीजन में देखने को मिल रहा हे। इसके लिए लोग थीम बेस्ड एंट्री से उस पल को यादगार बनाने के लिए इंवेंट्स ऑर्गेनाइजर्स से 60 हजार से 6 लाख तक खर्च कर स्टेज सजवाने लगे हैं। वैसे तो शादी का दिन हर लड़की के लिए सबसे खास और यादगार होता है। यह सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि एक नए जीवन की शुरुआत होती है। जहां हर नजर उस पल को देखने को बेताब होती है, जब दुल्हन अपनी अनोखी अदा से लोगों के बीच एंट्री करती है। हर लड़की का यह सपना होता है कि जब वह दुल्हन बने तो उसकी एंट्री सबसे हटकर हो। कुछ ऐसी, जो हर किसी के दिल में बस जाए। बेटी की शादी को खास बनाने के लिए एक बड़ा वर्ग है, जो लाखों रुपए सिर्फ दूल्हे और दुल्हन की लोगों के बीच एंट्री करवाने लाखों रुपए खर्च करने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। सबसे बेस्ट और ट्रेंडिंग ब्राइडल एंट्री स्टाइल ब्राइडल एंट्री को खूबसूरत बनाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह जानकारी इंवेंट प्लानर सौरभ अग्रवाल, नवल तिवारी ने देते हुए बताया कि लोग अब प्लानर्स की मदद लेने लगे हैं।

स्टैचू के साथ ड्रोन शो से स्टेज की सजावट

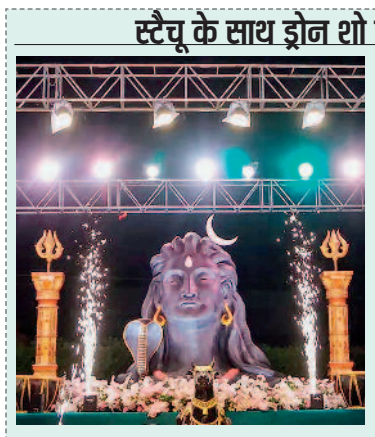

रौनक ने बताया कि इस सीजन में आदियोगी थीम का क्रेज बढ़ा है। लोग इस थीम के साथ दूल्हे और दुल्हन की एंट्री के लिए ढाई लाख तक खर्च करने को तैयार हैं। दर्जनभर से ज्यादा शादियों के लिए इस थीम को पसंद किया गया है। इसमें योगी स्टैचू, प्रोजेक्शन मैपिंग और ड्रोन शो से अवसर को खास बनाने में रुचि ले रहे हैं। इसमें भी संगीत के साथ डांसर्स का जलवा लोगों के बीच बिखरेगा। लेजर लाइट्स से जगमगाते स्टेज पर दूल्हे और दुल्हन को देखना हर किसी के लिए खास होगा। इस बार ऑन स्टेज एंट्री के साथ ही आदियोगी थीम और गंगा आरती का भी क्रेज कायम है।

फूलों की बारिश के बीच एंट्री का चलन ज्यादा

जैसे ही दुल्हन मंडप की ओर बढ़ती है, ऊपर से गुलाब और गेंदे के फूल बरसाए जाते हैं। यह एंट्री बहुत ही रोमांटिक और सपने जैसी लगती है, जो दूल्हे और सभी मेहमानों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। रौनक जैन ने बताया कि अभी सबसे ज्यादा ऑन स्टेज एंट्री के लिए लोग प्लान कर रहे हैं। इसके लिए 60 हजार से लेकर 6 लाख तक लोग खर्च करने को तैयार हैं। इसमें लेजर लाइट से सजे स्टेज पर एक तरफ से दूल्हे और दूसरी तरफ से दुल्हन की एंट्री डॉसर्स के साथ होती है। दोनों जैसे ही स्टेज के बीच पहुंचते हैं, संगीत के साथ फायरवर्क के जरिए फूलों की वर्षा की जाती है।

सवा लाख में गंगा आरती संग कर रहे स्वागत

ऑन स्टेज एंट्री के लिए कस्टमाइज्ड स्टेज पर लगी एलईडी स्क्रीन में ग्रॉफिक्स के जरिए अद्भुत नजारा निर्मित किया जाता है, जिसे देखना ही उस पल को खास बनाता है। इसमें 22 डांसर्स का ग्रुप स्टेज को आकर्षण का भी केंद्र बनाता है। इसके लिए लोग पहले से बुकिंग कराते हैं। साथ ही वाराणसी और प्रयागराज से आने वाले 16 लोगों के ग्रुप से मंत्रोच्चार के साथ गंगा आरती के बीच में दूल्हे और दुल्हन की एंट्री के लिए भी लोग बुकिंग करा रहे हैं। इस तरह की एंट्री के लिए लोग सवा लाख रुपए तक महज 30 मिनट के लिए खर्च कर रहे और वीडियो शूटिंग भी करा रहे हैं।

समाज लाइव

जीवनसाथी चुनने 106 युवक-युवतियों ने दिया परिचय, प्रदेशभर से पहुंचे परिवार

रायपुर। सामाजिक एकता, समानता और संगठन की मजबूत पहचान बन चुके दुबेलिया तेली साहू समाज ने रविवार को वृंदावन हाल भवन सिविल लाइन रायपुर में भव्य युवा–युवती परिचय सम्मेलन का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम में कुल 106 युवा–युवतियों ने निर्भीक होकर समाजिक मंच पर अपना परिचय दिया। इस दौरान अपने माता–पिता, दादा–दादी और पूर्वजों के बारे में भी जानकारी साझा की। यह आयोजन रायपुर जिला समिति, महिला प्रकोष्ठ और युवा प्रकोष्ठ के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के केंद्रीय अध्यक्ष शिवकुमार साहू मुख्य अतिथि रहे। उपाध्यक्ष टेकचंद साहू, ठाकुरराम साहू, राधेलाल साहू, छन्नूलाल साहू, सचिव हरिराम साहू और कोषाध्यक्ष बृजलाल साहू विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित थे।

समाज अनुशासन की मिसाल बन चुका

समाज के केंद्रीय मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता उत्तमकुमार साहू ने कहा कि दुबेलिया तेली साहू समाज आज सामाजिक एकता और अनुशासन की मिसाल बन चुका है। वर्षों की मेहनत, संगठित प्रयास और एकजुटता ने समाज को ऐसी पहचान दी है जहां समानता, सहयोग और सामाजिक उत्थान इसकी मूल शक्ति के रूप में स्थापित हो गए हैं। उत्तमकुमार साहू ने कहा हमारे समाज में कोई भी जिला या ब्लॉक का सदस्य अकेला नहीं है। आठ राज्यों के प्रत्येक ब्लॉक के परिवारों को विशेष निमंत्रण भेजकर कार्यक्रमों में शामिल किया जाता है। संगठन हमारी सबसे बड़ी ताकत है और समानता हमारी पहचान। महिला–पुरुष, युवा–युवती और बुजुर्ग सभी मिलकर समाज की उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

धर्म लाइव

भगवान कृष्ण ने भी माना, गीता रूपी हृदय ही अर्जुन को दे दिया

रायपुर। गीता भगवान कृष्ण का हृदय है। भगवान ने स्वयं अर्जुन से कहा है कि गीता में हृदयं पार्थ अर्थात गीता भगवान का हृदय है। जैसे दो मित्र परस्पर मित्रता करते हैं तो कहते हैं कि मैंने तुमको हृदय से अपना मान लिया है। वैसे ही भगवान ने गीता रूपी हृदय अर्जुन को दे दिया। भगवान गीता रुपी हृदय किसी को देना नहीं चाहते थे, किंतु अर्जुन कुरुक्षेत्र में जब विषादग्रस्त हुए, तब उसे भगवान ने गीता रूपी हृदय दे दिया, इसलिए गीता के पहले अध्याय को विषादयोग कहा जाता है। अर्जुन भगवान के सामने रोने लगते हैं, मैं युद्ध नहीं करूंगा, अंतर्यामी प्रभु, आप मेरे हृदय की बात जान रहे हैं। जिनसे मैंने ज्ञान प्राप्त किया, धनुष-बाण चलाना सीखा है। जिनकी उंगली पकड़कर मैं बचपन में चला हूं, उन गुरु द्रोणाचार्य और भीष्म पितामह पर कैसे शस्त्र चलाऊंगा।

अर्जुन को निमित्त बनाकर भगवान ने दिया उपदेश

राज्य जीतकर अंत में जिनके हाथों में उसे सौपूंगा, ऐसे मेरे पुत्र-पौत्रों पर कैसे शस्त्र प्रयोग करूं। जब अर्जुन की किंकर्तव्यविमूढ़ की स्थिति बन गई, मोहग्रस्त हो गए। तब भगवान ने गीता का उपदेश देते हुए कहा जीवात्मा को मोह से मुक्त करने के लिए ही दिया जाता है। तब भगवान ने गीता का उपदेश अर्जुन को निमित्त बनाकर दिया। गीता श्रोता और वक्ता परंपरा नहीं है। श्रीमद भागवत पारंपरिक ज्ञान है, किंतु गीता सीधा भगवान का ज्ञान, इसलिए इसको ब्रह्म विद्या कहा जाता है। कथा के पूर्व यजमान सुदर्शन साहू, गज्जू साहू, गोदावरी साहू सहित सैकड़ों लोगों ने विधि-विधान से कथा सुनने के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया।

सिटी लाइव

विवाह योग्य गोंड युवक-युवतियों के परिचय सम्मेलन की तैयारी शुरू

रायपुर। क्षेत्रीय छत्तीसगढ़ गोंड समाज कल्याण समिति द्वारा आदिवासी सामाजिक गोंडवाना भवन टिकरापारा में पहले की तरह ही इस बार भी अंतर्राज्जीय स्तर होने जा रहा है। 23 नवंबर को विवाहयोग्य गोंड युवक-युवतियों एवं विधवा-विधुर, परित्याकता को भी परिचय सम्मेलन के माध्यम से नया जीवन शुरू करने का अवसर दिया जाएगा। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि सीएम विष्णु देव साय समाज के बीच होंगे। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के अध्यक्ष जग्गु सिंह ठाकुर और किशोर कुमार ध्रुव ने पहले से ही तैयारी शुरू की है। उन्होंने बताया कि विवाह योग्य गोंड युवक-युवतियों के साथ ही विधवा और विधुर ही नहीं बल्कि परित्याकता को भी परिचय देने का अवसर मंच के माध्यम से दिया जाएगा, ताकि वे अपना जीवन शुरू कर सकें।

पहले से ही पंजीयन जारी

उन्होंने आगे बताया कि इसके लिए सामाजिक स्तर पर 1 नवंबर से ही कार्यालय में पंजीयन शुरू किया गया है। इसके लिए सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक और शाम को 5 से 7 बजे तक परिचय सम्मेलन में शामिल होने के लिए पंजीयन करवा सकते हैं। इस साल भी आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति ने युवा कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा आने वाले लोगों के लिए युवाओं की टीम तय की गई है। महिला विंग की टीम अलग-अलग राज्यों से आने वाली समाज की महिलाओं के बीच परिचय देने का अवसर देने में सहयोग करेंगी।

● राजधानी के मरीन ड्राइव, कटोरा तालाब और जीई रोड की चौपाटी पर कैटरर्स युवाओं को दे रहे व्यंजनों के ढेरों विकल्प

सर्द रातों खानपान के शौकीन बढ़ा रहे हैं चौपाटी की रौनक, चायनीज-पंजाबी फास्ट फूड युवाओं की पसंद

'खानपान का शौक रखने वाले हर मौसम में इसका लुत्फ उठाने के लिए दोस्तों और फैमिली के साथ भी निकलते हैं। इन दिनों साइंस कॉलेज की चौपाटी में सुबह से युवाओं की आवाजाही शुरू हो जाती है। शाम ढलते ही सर्द रातों में व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए पहुंचने वाले लोगों में युवाओं की तादाद ज्यादा होती है। कुछ इसी तरह का नजारा मरीन ड्राइव के फूड जोन में देखने को मिलता है। दिनभर काम को लेकर माथापच्ची के बाद घर लौटते ही बाहर घूमने और खाने के लिए निकलने वाला बड़ा वर्ग है। कटोरा तालाब की चौपाटी पर ऐसा माहौल बनता है, जैसे कई फैमिली के लोग प्लानिंग के साथ चौपाटी पहुंचे हों। जहां पंजाबी और चायनीज फास्ट फूड लोगों की पहली पसंद है।'

हॉस्टल में रहने वाले युवाओं की पहली पसंद

पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी, साइंस कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज सहित कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ ही हॉस्टल में रहने वाले युवाओं के लिए साइंस कॉलेज की चौपाटी एक प्रमुख ठीहा है। यहां दिन की अपेक्षा शाम को युवाओं की सक्रियता ज्यादा होती है। हॉस्टल में रहने वाले छात्र-छात्राओं के खानपान का यह सबसे अच्छे स्पॉट में से एक है। यहां रात में ज्यादातर विद्यार्थी फास्टफूड का स्वाद लेने आते हैं। दिनभर चाय-नास्ता और कई कैटरर्स खाना भी परोसते हैं। इसके चलते पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को खाना पकाने से राहत मिल जाती है।

रायपुर। पॉश कॉलोनियों में रहने वाले ज्यादातर लोग हर मौसम का आनंद लेने के लिए बाहर खाना-खाने के लिए फैमिली के साथ निकलना पसंद करते हैं। इस तरह के लोग ज्यादातर ऐसे स्थानों पर जाना पसंद करते हैं, जहां उन्हें खुलापन मिले। इसके लिए कई चौपाटियों में शाम ढलने के बाद ही रौनक बढ़ती है। लोगों को बेहतर माहौल देने के लिए कैटरर्स ने भी शॉप को साज-सज्जा और इंटीरियर्स की मदद से बेहतर लुक दिया है। इससे शाम ढलने के बाद मरीन ड्राइव के फूड जोन में रौनक बढ़ जाती है। लोग शाम ढलने के बाद आते हैं। आसपास सजने वाली दुकानों में चार्ट-गुपचुप, आइसक्रीम के साथ ही मुर्रा-भेल खाने के बाद घूमते और जहां बेहतर लाइटिंग मिलती है, वहां फोटो और वीडियो बनाते हैं। इसके बाद उन्हें चौपाटी में ही सभी तरह के व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर भी मिलता है।

भा रहा साउथ इंडियन फास्टफूड

शहर की लगभग सभी चौपाटी वा साउथ इंडियन फास्टफूड में इडली, डोसा, वड़ा, उपमा, और उत्तपम सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इनके अलावा कुछ अन्य स्वादिष्ट और तेज व्यंजन भी हैं। जैसे पोंगल, अप्पम, पेसारट्टु और सांभर वड़ा, जिन्हें नारियल की चटनी या सांभर के साथ खाया जाता है। हर वर्ग के लोग इन व्यंजनों का स्वाद लेना पसंद करते हैं। कीमत भी ज्यादा नहीं होने से लोगों का साउथ इंडियन व्यंजनों के प्रति लगाव है। इसे स्कूल-कॉलेज के ऐसे विद्यार्थी, जो हॉस्टल में रहते हैं, वे ज्यादा खाना पसंद करते हैं।

पंजाबी व्यंजन परोसने के साथ बेहतर पल

छोले-भटूरे हर खास अवसर का हिस्सा होता है। पार्टियों में भी इसकी पूछपरख ज्यादा रहती है। चौपाटियों पर इन दिनों पंजाबी पराठे (जैसे आलू पराठा), छोले कुलचे और अमृतसरी कुलचा भी लोगों की पसंद बन चुका है। इसके अलावा अमृतसरी तंदूरी चिकन, चिकन टिक्का और बटर चिकन जैसे व्यंजन भी कैटरर्स परोस रहे हैं। छोले-भटूरे जैसे पंजाबी फास्टफूड के लिए हर चौपाटी पर खास जोन भी मिलने लगा है। कई शॉप चौपाटियों में ऐसे भी हैं, जिनके पास सिर्फ पंजाबी व्यंजनों का ही स्वाद लेने के लिए लोग फैमिली के साथ पहुंचते हैं। इसे देखते हुए शॉप की साज-सज्जा से लोगों को बेहतर पल देने का प्रयास करते हैं।

इन व्यंजनों से युवाओं को सबसे ज्यादा लगाव

चायनीज फास्टफूड के कुछ नाम जैसे मोमोज, स्प्रिंग रोल, फ्राइड राइस, नूडल्स की डिमांड सबसे ज्यादा चौपाटी पर युवा करते हैं। साथ ही मंचूरियन और डिम सम। इन व्यंजनों को कुछ मिनटों में ही दुकानदार परोस देते हैं। समय बचाने के लिए भी लोग इसका ही उपयोग ज्यादा करते हैं। बच्चों का शौक पूरा करने के लिए माता-पिता भी खरीदकर देने के लिए मजबूर होते हैं। इस शर्त पर दिलाते हैं कि अब इसकी मांग नहीं करेंगे।

155 साल पुराना मंदिर थ्री-डी डिजाइन में हो रहा तैयार, मार्च में बांकेबिहारी की पुनर्स्थापना

रायपुर। नयापारा और सदर बाजार क्षेत्र में स्थित 154 वर्ष पुराने श्री बांकेबिहारी मंदिर को 3डी डिजाइन में बनाने का सिलसिला अब तेज हो गया है। खासतौर से यह डिजाइन पुरातत्व कला का एक बेहतर उदाहरण बनने वाली है। पूरा मंदिर बनने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर माहौल मिलेगा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्ष का यह मंदिर साक्षी रहा है। प्रसिद्ध फिल्मकार स्व. पृथ्वीराज कपूर ने भी यहां आकर प्रभु के दर्शन किए थे। श्री बांकेबिहारी मंदिर ट्रस्ट से जुड़े डॉ. अशोक अग्रवाल ने बताया कि मंदिर के आंतरिक और बाहरी हिस्से का बचा हुआ काम पूरा करने किए एजेंसी को फरवरी तक का समय दिया गया है। अभी मंदिर के गर्भगृह को संवारने का काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि निर्माण से जुड़ा काम पूरा होने के बाद इंटीरियर का काम एक्सपर्ट टीम से कराया जाएगा।

बुजुर्गों को श्रीधाम तक आने-जाने लगेगी लिफ्ट

श्री अग्रवाल ने बताया कि बुजुर्गों को श्रीधाम तक आने-जाने के लिए लिफ्ट की सुविधा मिलेगी। सीमित जगह होने से मंदिर को व्यवस्थित करने के लिहाज से ही नवनिर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस काम को अप्रैल 2024 में शुरू किया गया और अभी तक 80 फीसदी से ज्यादा काम हो चुका है। इंटीरियर का काम पूरा होते ही एक तिथि तय की जाएगी, जिसके तहत श्री बांकेबिहारी को नवनिर्मित मंदिर के गर्भगृह में पुनर्स्थापित किया जाएगा। जनवरी के बाद मंदिर में इंटीरियर का काम शुरू होगा। प्रयास किया जा रहा कि होली से पहले ही बचे हुए सभी काम को अंतिम रूप दिया जाए।

होली के बाद वापस मंदिर में विराजेंगे बांकेबिहारी

ट्रस्टी ने बताया, प्रयास किया जा रहा है कि होली के बाद यानी मार्च में ही श्री बांकेबिहारी की प्राण-प्रतिष्ठा एवं पुनर्स्थापना संभव हो सके। इस लिहाज से ही जिस एजेंसी का अभी काम चल रहा है, उनको फरवरी तक काम पूरा करने के लिए समय दिया है। इसके बाद इंटीरियर वर्क के लिए डिजाइनर्स को जिम्मेदारी दी जाएगी। उनके द्वारा तैयार डिजाइन को सहमति मिलने के बाद काम भी शुरू किया जाएगा। अभी मंदिर के पास ही पुजारी परिवार द्वारा आराध्य देव की विधिवत पूजा-अर्चना का नियम किया जाता है।

असफलता का अंत नहीं, नई शुरुआत के लिए अवसर की तरह स्वीकार करें

रायपुर। सिविल लाइंस में शिक्षित युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग सेवा देने वाली युवा संस्था से अब तक जितने युवाओं ने मुकाम हासिल किया है, ऐसे सफल अधिकारियों की अब रविवार स्पेशल क्लास में "युवा के सियान" श्रृंखला का दूसरा सत्र हुआ। इस श्रृंखला में अनुभव और कड़ी मेहनत से सफलता प्राप्त कर चुके वरिष्ठ सदस्य, वर्तमान विद्यार्थियों के साथ सफलता और संघर्ष से जुड़े टिप्स साझा करने के लिए आते हैं। इस बार की मुख्य वक्ता के रूप में गुड्स ट्रेन मैनेजर जमुना साहू ने रेलवे द्वारा एनटीपीसी (नॉन-टेक्निकल) प्रतियोगी परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर अंक अर्जित किए हैं। संस्था के संस्थापक एम. राजीव ने यह जानकारी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए दी। सुश्री साहू ने सफलता के लिए छह मंत्र साझा किए। यह मंत्र न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए, बल्कि जीवन की हर चुनौती के लिए उपयोगी हैं।

फील्ड के लोगों से संवाद करने का प्रयास करें

उन्होंने आगे बताया कि छह मूलमंत्रों में सबसे पहले खुद पर भरोसा करें, इससे आत्मबल बढ़ेगा और मन से किसी काम के लिए तैयार होंगे। अच्छे और विचारवान लोगों की संगत करें। साथ होने से तैयारी में मदद मिलती है। सकारात्मक सोच के लोगों को ही दोस्त बनाएं। इससे डिप्रेशन की स्थिति नहीं बनेगी। मन में उठने वाले सवालों का जवाब दोस्तों से चर्चा के बीच निकालने का प्रयास करें। संभव हो तो जिस क्षेत्र में आप जाना चाहते हैं, उस फील्ड के लोगों से संवाद करने का प्रयास करें। इससे जिस प्रतियोगी परीक्षा की आप तैयारी कर रहे हैं, उसकी बेसिक जानकारी आपके पास संवादों के जरिए प्राप्त होती है।

विद्यार्थियों को जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास बताने कार्यशाला

जनजातीय समाज की गौरव गाथा, भारत के इतिहास का बोध कराती है कला संस्कृति

कार्नर न्यूज

रायपुर। जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय आयोजन महाविद्यालय के सभागार में हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप दुर्ग साइंस कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. वेदवती मांडवी, विशिष्ट अतिथि साइंस कॉलेज में इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मुख्यातिथि डॉ. वेदवती मंडावी ने जनजातीय समाज के आध्यात्मिक, सामाजिक, धार्मिक योगदान के विषय पर विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास के विषय पर सारगर्भित ढंग से प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कल्याण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा ने की। महाविद्यालय की छात्रसंघ प्रभारी डॉ. मणिमेखला शुक्ला ने बस्तर की देवी मंगला की आराधना हलबी में अपने सुमधुर वाणी से प्रस्तुत की।

आदिवासी अंचल के पारंपरिक नृत्यों की दी प्रस्तुति

राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं कलश, हंसा नाविक, गजेन्द्र, चंचल एवं समूह ने अनेक प्रकार के आदिवासी समूह नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन प्रसिद्ध लेखक और हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ.अंजन कुमार ने किया। कार्यक्रम में आयोजन सचिव डॉ.अनिरबन चौधरी, व्यवस्था प्रमुख डॉ. सुमित्रा मौर्य, अरुणा चौबे, अंजू देवी व महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, विद्यार्थी, शोधार्थी, अधिकारी, कर्मचारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

जनजातीय समाज के इतिहास को हर किसी को जानना चाहिए

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि जनजातीय समाज के इतिहास को हर किसी को जानने की जरुरत है। इसे लेकर ही केंद्र सरकार ने इस अभियान की शुरुआत की है। स्कूल-कॉलेजों में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। आदिवासियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। हर क्षेत्र में उनके योगदान को सराहा जा रहा है। उन्हें शिक्षित बनाने के साथ रोजगार से जोड़ा जा रहा है। आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

ज्योतिषी

इन देवी-देवता के सामने बिल्कुल भी न जलाएं ऐसी बाती

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान दीपक जलाना अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि बिना दीपक जलाए कोई भी पूजा अधूरी रहती है। दीपक प्रज्वलित करने से न केवल देवी-देवता प्रसन्न होते हैं, बल्कि घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। पूजा के समय प्रायः घी, सरसों या किसी अन्य तेल में रुई की बाती बनाकर दीपक जलाया जाता है। सामान्यतः दीपक में दो प्रकार की बाती का उपयोग किया जाता है। लंबी बाती और गोल बाती। दोनों का अपना अलग धार्मिक महत्व होता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि ये दोनों प्रकार की बातियां अलग-अलग देवी-देवताओं और पितरों के लिए समर्पित की जाती हैं। आइए जानते हैं कि कौन-सी बाती किस देवता या पितृ के समक्ष जलाना शुभ माना जाता है।

इन देवी-देवताओं को जलाएं गोल बाती

गोल बाती, जिसे फूल बाती भी कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, गोल बाती वाला दीपक ब्रह्मा जी, इंद्र देव, भगवान शिव, विष्णु जी और अन्य देवताओं की पूजा के समय जलाना शुभ होता है। इसके अलावा, तुलसी के पौधे के सामने दीपक जलाते समय भी गोल बाती का प्रयोग करना चाहिए। ऐसा करने से घर में स्थिरता, शांति और मां लक्ष्मी का स्थायी वास बना रहता है। साथ ही, जब आप पीपल या बड़ के पेड़ की पूजा करें, तो केवल गोल बाती का दीपक ही जलाएं। भूलकर भी इस समय लंबी बाती का प्रयोग न करें, क्योंकि यह पूजा के शास्त्रीय नियमों के विपरीत माना जाता है।

किन्हें जलाएं लंबी बाती का दीपक : हिंदू शास्त्रों के अनुसार, लंबी बाती वाला दीपक अत्यंत शुभ माना जाता है, लेकिन इसे केवल विशेष पूजा-अवसरों पर ही जलाना चाहिए। ऐसी बाती मां लक्ष्मी, दुर्गा जी, सरस्वती देवी और अन्य देवियों की पूजा के समय, कुल देवता की आराधना या आंवला वृक्ष के नीचे दीपक जलाने में उपयोग की जानी चाहिए। लक्ष्मी जी के सामने लंबी बाती जलाने से धन-संपत्ति में वृद्धि होती है, जबकि कुल देवता की पूजा में इसका प्रयोग वंश-वृद्धि और परिवार की समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि लंबी बाती जलाने से सुख, शांति, ऐश्वर्य और आर्थिक समृद्धि में वृद्धि होती है।

अमावस्या या विशेष तिथि पर जलाएं ये दीपक : यदि आप अमावस्या या किसी विशेष तिथि पर पितरों के लिए दीपक जला रहे हैं, तो हमेशा लंबी बाती का ही प्रयोग करें। गोल बाती जलाने से पितर असंतुष्ट हो जाते हैं, जिससे घर में दरिद्रता, अशांति और बीमारियों का प्रभाव बढ़ सकता है। कहा जाता है कि लंबी बाती से जलाया गया दीपक पितरों को प्रसन्न करता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा एवं सुख-समृद्धि लाता है।

सोते समय बिस्तर के पास रखने से बचें ऐसी चीजें जिससे खड़ी हो कोई परेशानी

बेडरूम का वास्तु बहुत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि हम अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा यहीं आराम और नींद में बिताते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सोते समय बेडरूम में कुछ चीजें बिल्कुल भी पास नहीं रखनी चाहिए, वरना घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है और नींद पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं वो चीजें कौन सी हैं जिन्हें सोते समय बेडरूम में भूलकर भी नहीं रखना चाहिए।

सिराहने पर घड़ी : वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेड के पास या सिरहाने के पास दीवार पर घड़ी लगाना या रखना शुभ नहीं माना जाता है। इससे कमरे की सकारात्मक ऊर्जा पर असर पड़ता है और मानसिक तनाव बढ़ सकता है। अगर आप समय देखने के लिए घड़ी रखना चाहते हैं, तो उसे सोने वाली जगह से थोड़ा दूर रखें।

बिस्तर या पास की टेबल में पर्स : कई लोग रात में पर्स को बेड के पास रखे ड्रॉवर या टेबल पर रख देते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार ऐसा करना सही नहीं माना जाता है। ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज होती हैं और पैसों की हानि होने की संभावना बढ़ जाती है। अगर आप आर्थिक रूप से स्थिर रहना चाहते हैं तो अपने पर्स को बेडरूम से दूर, किसी शुभ स्थान पर रखें।

इलेक्ट्रॉनिक सामान : आज के समय में मोबाइल, लैपटॉप या टैबलेट को अपने बेड पर या पास में रखना बहुत आम बात हो गई है। लेकिन वास्तु के अनुसार यह आदत नुकसानदायक साबित हो सकता है। इन उपकरणों से निकलने वाला रेडिएशन नींद की गुणवत्ता पर असर डालता है और मानसिक तनाव बढ़ाता है। इसलिए सोने से पहले सभी इलेक्ट्रॉनिक चीजों को बेड से दूर रख दें।

अंदरूनी गर्माहट देने वाला खाना भी जरूरी होता है

सर्दियों का सुपरफूड, ठंड के मौसम में आटे में मिलाएं ये चीजें, शरीर रहेगा गर्म और मजबूत

सर्दियों का मौसम आते ही ठंडी हवाएं शरीर की एनर्जी और इम्यूनिटि पर असर डालती हैं। ऐसे में केवल गरम कपड़े ही नहीं, बल्कि अंदरूनी गर्माहट देने वाला खाना भी जरूरी होता है। डॉक्टरों और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, अगर रोज की रोटियों में थोड़ा बदलाव किया जाए, तो ये सर्दियों की बीमारियों से बचाव का आसान और असरदार तरीका बन सकता है।

कुछ चीजें आटे में मिलाएं तो मिलेंगे पोषक तत्व

आमतौर पर हम जो गेहूं की रोटियां खाते हैं, वे शरीर को एनर्जी तो देती हैं, लेकिन सर्दियों में शरीर को केवल कार्बोहाइड्रेट नहीं, बल्कि ज्यादा पोषक तत्व और गर्माहट की भी जरूरत होती है। ऐसे में अगर गेहूं के आटे में कुछ घरेलू और नेचुरल चीजें मिलाई जाएं, तो यही साधारण रोटियां सर्दियों का सुपरफूड बन जाती हैं।

अजवाइनः पाचन और गर्माहट की रखवाली

सर्दियों में भारी खाना और कम शारीरिक गतिविधि के कारण गैस और अपच जैसी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। गेहूं के आटे में एक चम्मच अजवाइन पाउडर मिलाने से पाचन बेहतर होता है। शरीर की आंतरिक गर्मी बनी रहती है। ये ठंड में ऊर्जा बनाए रखने में मदद करती है और पेट हल्का महसूस होता है।

मेथीः जोड़ों के दर्द से राहत

ठंड के मौसम में जोड़ों का दर्द आम समस्या है। मेथी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व सूजन और दर्द से राहत देते हैं। दो चम्मच मेथी पाउडर मिलाकर बनाई गई रोटियां शरीर को गर्म रखती हैं। ब्लड शुगर कंट्रोल करती हैं और मेटाबॉलिज्म मजबूत बनाती हैं।

तिलः हड्डियों और त्वचा के लिए फायदेमंद

सर्दियों में तिल खाना एक पुरानी परंपरा रही है। तिल में कैल्शियम, आयरन और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और त्वचा को रूखापन से बचाते हैं। केवल 2–3 चम्मच तिल आटे में मिलाकर बनी रोटियां शरीर को अंदर से पोषण देती हैं। बालों की चमक भी बनाए रखती हैं।

चना आटाः ताकत और फाइबर का स्रोत

अगर आप अपने आटे को और पौष्टिक बनाना चाहते हैं, तो उसमें 20 प्रतिशत चना आटा जरूर मिलाएं। इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइबर शरीर को ताकत देते हैं, ब्लड शुगर संतुलित रखते हैं और पाचन सुधारते हैं।

इन चीजों को मिलाकर भी बनाएं रोटी-पराठे

अजवाइन, मेथी, सोंठ, तिल और चना आटा मिलाकर बनाया गया ये मिश्रित आटा हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है। इससे बनी रोटियां शरीर को ठंड से बचाती हैं, ऊर्जा देती हैं और बीमारियों से रक्षा करती हैं। ये सरल घरेलू उपाय सर्दियों में सेहत और गर्माहट दोनों बनाए रखने का सबसे आसान तरीका है।

ठंड के मौसम में हार्ट अटैक से सुरक्षित रहने के लिए अपनाएं कुछ अहम सावधानियां

सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। ठंड के कारण खून की नलियों में सिकुड़न आ जाती है, जिससे शरीर का तापमान बिगड़ सकता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी सावधानियों के बारे में बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप खुद को और अपने परिवार को इस खतरे से बचा सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं। इन सुझावों को अपनाकर आप सर्दियों में सुरक्षित रह सकते हैं।

गर्म कपड़े पहनें

सर्दियों में सबसे जरूरी है कि आप खुद को गर्म रखें। गर्म कपड़े पहनने से आपका शरीर ठंड के प्रभाव से बचा रहता है और खून की नलियां भी सही तरीके से काम करती रहती हैं। ऊनी स्वेटर, मफलर और टोपी पहनें ताकि आपका पूरा शरीर गर्म रहे। इसके अलावा गर्म कपड़े पहनने से आप बीमारियों से भी बचे रह सकते हैं और आपका दिल भी स्वस्थ रहता है।

गर्म पेय का सेवन करें

गर्म पेय जैसे चाय, कॉफी या फिर अदरक वाली चाय पीने से शरीर को अंदरूनी गर्माहट मिलती है, जो खून के बहाव को बेहतर बनाती है और हार्ट अटैक के खतरे को कम करती है। अदरक वाली चाय में मौजूद गुण खून की नलियों को खोलते हैं, जिससे रक्तचाप नियंत्रित रहता है। इसके अलावा गर्म पेय पीने से आपको ठंड का एहसास कम होता है और आप बीमारियों से बचे रहते हैं।

खान-पान पर ध्यान दें

सर्दियों में खान-पान पर खास ध्यान देना जरूरी है। पौष्टिक आहार जैसे हरी सब्जियां, फल, सूखे मेवे आदि का सेवन करें ताकि शरीर को सभी जरूरी विटामिन और खनिज मिल सकें। इनसे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है और आप बीमारियों से बचे रहते हैं। इसके अलावा इन खाद्य पदार्थों में मौजूद गुण दिल को स्वस्थ रखते हैं और खून की नलियों को सही तरीके से काम करने में मदद करते हैं।

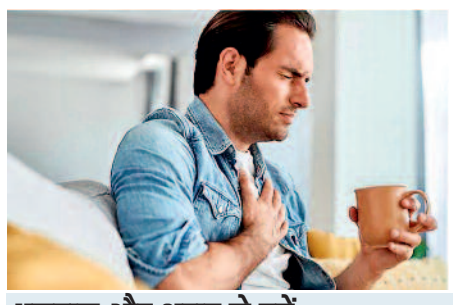

धूम्रपान और शराब से बचें

धूम्रपान और शराब पीने से दिल पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इनसे रक्तचाप बढ़ता है, जो हार्ट अटैक का कारण बन सकता है। इसलिए इन आदतों को छोड़ना बहुत जरूरी है। अगर आप पहले ही इन आदतों को छोड़ चुके हैं तो यह बहुत अच्छी बात है। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपने परिवार को सर्दियों में सुरक्षित रख सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।

नियमित एक्सरसाइज करें

नियमित एक्सरसाइज न केवल आपके शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। सर्दियों में लोग अक्सर कम सक्रिय हो जाते हैं, जिससे वजन बढ़ता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। रोजाना 30 मिनट की हल्की एक्सरसाइज जैसे टहलना, योग या फिर स्ट्रेचिंग करने से आपका दिल स्वस्थ रहता है और आप फिट एंड फाइन रहते हैं। इससे आपका ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है और आप बीमारियों से बचे रहते हैं।

दूसरे की अंगूठी पहनने से पहले सोचें सौ बार, वरना हो सकता है बड़ा नुकसान

कुंडली में ग्रहों की स्थिति हमारे जीवन के बारे में बहुत कुछ बताती है। इन ग्रहों की चाल से यह भी समझा जा सकता है कि आने वाले दिनों में हमारी जिंदगी में क्या बदलाव आने वाले हैं। इसी आधार पर ज्योतिष शास्त्र में कुछ रत्न पहनने की सलाह दी जाती है। रत्नशास्त्र के अनुसार, रत्न चुनने से लेकर उसे धारण करने तक कई नियम होते हैं, जिन्हें अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन बातों-बातों में कई लोग दूसरों की रत्न जड़ित अंगूठी पहनने या ट्राई करने लगते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार, ऐसा करना आपके लिए अशुभ साबित हो सकता है।

किसी और की अंगूठी न पहनें : किसी भी रत्न को पहनने से पहले उसके नियमों को जानना बेहद जरूरी है। रत्नशास्त्र के अनुसार अगर आपने एक बार रत्न पहन लिया तो उसे बार-बार उतारना या किसी और को देना नहीं चाहिए। वहीं, यदि आपसे कोई ट्राई करने के लिए आपकी रत्न वाली अंगूठी मांगे तो उसे नहीं देना चाहिए। यहां तक की खुद भी कभी किसी दूसरे की अंगूठी ट्राई करने की कोशिश न करें। दरअसल, प्रत्येक रत्न अपने साथ विशेष ऊर्जा लेकर आता है। यह ऊर्जा व्यक्ति और उसके ग्रहों के बीच एक संबंध बनाती है। अगर कोई दूसरा शख्स आपकी रत्न जड़ित अंगूठी पहनता है, तो यह ऊर्जा बेकार में उसके टच में आ जाती है, जो बिल्कुल भी सही नहीं है।

कॅरियर व व्यक्तिगत बाधाएं आ सकती हैं : ऐसा करने से करियर और व्यक्तिगत ग्रोथ में बाधाएं आ सकती हैं। इसके अलावा, जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी अनचाहे नकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इसलिए दूसरों की रत्न वाली अंगूठी कभी भी पहनना या ट्राई करना भारी नुकसान दे सकता है।

अनुभवी ज्योतिषी की सलाह से लें रत्न : अपने लिए रत्न का चुनाव हमेशा किसी अनुभवी ज्योतिषी की सलाह पर ही करें। शौक या टेस्ट के लिए कभी भी रत्न जड़ित अंगूठी को पहनना नहीं चाहिए, क्योंकि इसके नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। एक बार रत्न पहन लेने के बाद इसकी नियमित देखभाल करना जरूरी है। अगर रत्न की सफाई करनी हो, तभी सावधानीपूर्वक इसे करें। गलती से भी अपनी अंगूठी किसी दूसरे व्यक्ति को पहनने के लिए न दें।

ठंड में खाना बनाने का नहीं करता मन तो महज 15 मिनट में बन जाएंगे कई पकवान

सर्दियों के दौरान ठंड बढ़ने की वजह से रसोई में खड़े होना तक मुश्किल हो जाता है। ऐसे में खाना बनाने का दिल नहीं करता, लेकिन पेट भरना भी जरूरी है। आज के लेख में हम आपकी इस समस्या का समाधान लेकर आए हैं। आज हम आपको 5 ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जो महज 15 मिनट में बन जाते हैं। इनका स्वाद तो लाजवाब होता ही है, साथ ही इनकी रेसिपी भी आसान होती है।

गोभी के पराठे : सर्दियों में गोभी ज्यादा मिलती है, जिससे आप लजीज पराठे बना सकते हैं। इसके लिए गोभी को साफ करके कद्दूकस कर लें। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, नमक, लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला मिलाएं। आटे को बेल कर उसकी गोल रोटियां बनाएं और उसमें गोभी वाले मिश्रण को भरें। इसके बाद इसे बंद करके दोबारा बेलें। तवे पर तेल या घी गर्म करें और पराठों को सुनेहरा होने तक सेक लें।

सब्जियों वाली खिचड़ी : सब्जियों वाली खिचड़ी गर्माहट प्रदान करेगी और 15 मिनट के अंदर बन भी जाएगी। इसके लिए आपको मूंगदाल, चावल, हरी मटर, गाजर, आलू, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हल्दी, नमक और घी की जरूरत होगी। सबसे पहले मूंगदाल और चावल को धोकर भिगो दें और एक पैन में घी गर्म करें। उसमें जीरा, हींग और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें। अब इसमें सभी सब्जियां डालकर भूनें और उसके बाद मूंगदाल और चावल डालकर पकाएं।

लेमन राइस : लेमन राइस दक्षिण भारतीय खान-पान में मशहूर है, जो बहुत जल्दी बन जाता है। इसके लिए चावल को पकाएं और ठंडा कर लें।

एक पैन में तेल गर्म करके उसमें मूंगफली डालें और सुनहरी हो जाने पर उसमें करी पत्ते और सूखी लाल मिर्च डालें। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, हल्दी, नमक और कड़ी पत्ते का पाउडर मिलाएं। इसमें पके हुए चावल और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसमें भुना हुआ मूंगफली का पाउडर मिलाकर परोसें।

घर के माहौल को सकारात्मक बना देती हैं इन जानवरों की मूर्ति या तस्वीर

पुराने समय से ही कई जानवर अच्छे भाग्य और समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। वास्तुशास्त्र में भी इन जानवरों के महत्व को बताया गया है। माना जाता है कि इन जानवरों की तस्वीर या मूर्ति रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। आइए आज हम आपको उन पांच शुभ जानवरों के बारे में बताते हैं, जिनकी तस्वीर या मूर्ति घर में रखने से समृद्धि आ सकती है।

ताकत, गति और समृद्धि का प्रतीक घोड़ा

घोड़ा ताकत, गति और समृद्धि का प्रतीक है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घोड़े की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने से ऊर्जा बढ़ती है और कामों में सफलता मिलती है, खासकर अगर घोड़े की तस्वीर या मूर्ति को पश्चिम दिशा में रखा जाए तो यह विशेष लाभ देता है। इसके अलावा घोड़े की तस्वीर या मूर्ति को पानी से भरे बर्तन के पास रखने से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

मछली से बढ़ती है घर की आवक

मछली जल तत्व से संबंधित होने के कारण धन और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है। वास्तुशास्त्र में मछली के एक या दो जोड़े रखने से घर में धन की आवक बढ़ती है। इसके अलावा मछली की तस्वीर या मूर्ति को पानी से भरे बर्तन में रखने से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कछुआ और घोड़ा मिलाकर रखना

अगर आप दोनों शुभ जानवरों यानी कछुए और घोड़े को एक साथ मिलाकर रखते हैं तो यह विशेष लाभकारी माना जाता है। इस मेल से घर में समृद्धि बढ़ती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसके अलावा यह मेल घर में सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखता है और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है।

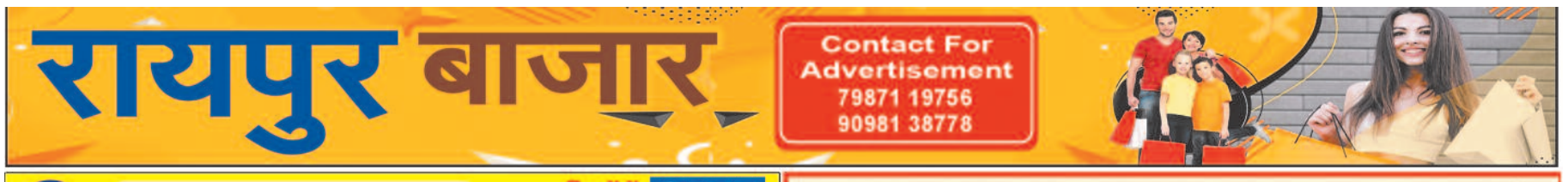

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

बेंगलुरू कॉन्सर्ट में बदसलूकी के बाद एकॉन का नया वीडियो वायरल

सिंगर एकॉन अपने म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए भारत आए हैं। 14 तारीख को उन्होंने बेंगलुरू में परफॉर्म किया। 16 तारीख को मुंबई में उनका कॉन्सर्ट था। बेंगलुरू म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान तो एकॉन के साथ फैंस ने बदसलूकी की, कुछ लोगों ने उनकी पैंट खींची, इससे वह असहज हो गए। अब एक और वीडियो सिंगर का वायरल हुआ है, जिसमें फैंस से बचने के लिए वह अलग ही तरीका अपनाते दिखे। सोशल मीडिया यूजर्स ने भी इस नए वायरल वीडियो पर भी रिएक्शन दिए हैं। सिंगर एकॉन के वायरल वीडियो में वह फैंस के बीच हैं, लेकिन फैंस उन्हें छू नहीं पा रहे हैं। दरअसल, एकॉन एक बड़ी से ट्रांसपेरेंट बॉल के अंदर है। इस बड़ी से बॉल को फैंस उन्हें हाथों पर उठाया हुआ है। एकॉन बॉल के अंदर गाना भी गा रहे हैं। इस तरह से वह पहले भी कई कॉन्सर्ट में परफॉर्म कर चुके हैं। यह उनका सिग्नेचर स्टाइल है। फैंस ने भी एकॉन की इस यूनीक परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया है। यूजर्स ने एकॉन के नए वीडियो पर मजेदार रिएक्शन दिए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'भाई खुद को बचा रहा है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'लोगों का भरोसा नहीं है कि ये एकॉन को कॉन्सर्ट से भी बाहर कर दें।' एक और फैन ने लिखा, 'अब यह छम्मक छल्लो गाने की तरह घूम रहे हैं।' कई यूजर्स ने इस वीडियो को खूब लाइक किया है। सिंगर एकॉन हॉलीवुड के पॉपुलर सिंगर हैं। उन्होंने

टॉलीवुड

अपनी जिंदगी के बेहतरीन और शांति से भरे दौर से गुजर रही हूं : मीरा

मीरा वासुदेवन ने सिर्फ मलयालम फिल्मों के जरिए ही अलग पहचान नहीं बनाई है। वह तमिल, हिंदी और तेलुगु भाषा की फिल्मों और टीवी सीरियल का हिस्सा रह चुकी हैं। हाल ही में वह अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा में आईं। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने अपने तलाक की खबर साझा की। मीरा वासुदेवन ने हाल ही में इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'मैं एक्ट्रेस मीरा वासुदेवन, आधिकारिक तौर पर इस बात की घोषणा करती हूं कि अगस्त 2025 से सिंगल हूं। मैं अपनी जिंदगी के बेहतरीन और शांति से भरे दौर से गुजर रही हूं।'मीरा वासुदेवन ने पिछले साल ही साल ही विपिन पुथियांकम से शादी की थी। अब इनका तलाक हो चुका है। इससे पहले भी उनके दो तलाक हो चुके हैं। मीरा ने साल 2005 में विशाल अग्रवाल से शादी की, जुलाई 2010 में इनका तलाक हो गया। इसके बाद मलयालम अभिनेता जॉन कोकेन से मीरा वासुदेवन ने शादी की। इनका एक बेटा भी हुआ, लेकिन साल 2016 में जॉन कोकेन से भी मीरा का तलाक हो गया। मीरा वासुदेवन ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सलमान खान की फिल्म 'जानम समझा करो' में अभिनय किया था। वह बतौर एक्ट्रेस हिंदी फिल्म 'बी13' और 'जादू सा चल गया' जैसी फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। हिंदी के अलावा उन्होंने मलयालम फिल्मों में सबसे ज्यादा काम किया है। साथ ही तमिल और तेलुगु की कई फिल्में भी की हैं।

भोजपुरी

प्रवेश की पर्सनल लाइफ से कोई प्रॉब्लम नहीं : नीलम

बिग बॉस 19 में नजर आईं नीलम गिरी सोशल मीडिया पर काफी फेमस हो गई हैं। घर के अंदर नीलम गिरी को हर कोई पसंद करता था। अब नीलम गिरी ने घर से बाहर आने के बाद अपनी भोजपुरी इंडस्ट्री को लेकर बात की है। नीलम गिरी का नाम भोजपुरी स्टार प्रवेश लाल यादव से जुड़ा था। नीलम ने इस बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि प्रवेश उनके बहुत अच्छे मित्र हैं और वो उन्हें बहुत अच्छे से समझते हैं। नीलम गिरी ने कहा, प्रवेश जी के साथ एक गाना मेरा चल गया था, तो उनको ऐसा लगा कि अगर इनको लेकर आगे भी काम करेंगे तो बहुत सारे गाने इनके चलेंगे और ऐसा हुआ भी। ऐसा नहीं है कि उनको नुकसान हुआ और मुझे क्या है, मुझे तो पेमेंट मिल ही रहा है, गाने अच्छे चल रहे हैं तो क्या तकलीफ हैऔर बैनर भी बड़ा है। नीलम से पूछा गया कि जब ऐसी बातें उठ रही थीं कि प्रवेश शादीशुदा मर्द हैं और ये सब हो रहा है तो वो कैसे डील कर रही थीं। इसपर नीलम ने कहा, मुझे उनकी पर्सनल लाइफ से कोई प्रॉब्लम नहीं है। उससे मुझे कोई दिक्कत नहीं है। मैं एक प्रोड्यूसर और एक्टर के तौर पर उन्हें देखती हूं, तो मेरे लिए वही बहुत बड़ी बात है और उससे ही मुझे मतलब है। मुझे उनसे पर्सनली कभी कोई मतलब नहीं रहा है और न अब है। नीलम ने कहा कि ऐसी खबरें हो सकता है सेट से भी यहां-वहां हो जाती होंगी, लेकिन अधिकतर मीडिया की तरफ से ही ऐसी बातें आती हैं। बता दें, नीलम गिरी और प्रवेश लाल यादव कई प्रोजेक्ट्स में साथ नजर आ चुके हैं। इसी वजह से कई बार दोनों का नाम जोड़ा गया। हालांकि, नीलम ने साफ कर दिया कि ऐसा कुछ भी नहीं है।

लाइफ स्टाइल

सूट पहनकर दिखाया ग्लैमरस अंदाज

"मिस यूनिवर्स 2025 के प्री-इवेंट में मिस इंडिया मनिका विश्वकर्मा अपने शानदार ट्रेडिशनल लुक से सबका दिल जीतती नजर आईं। उन्होंने डिजाइनर जिगर माली की मरून अनारकली पहनकर रॉयल और एलिगेंट अंदाज में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई। मानिका ने इस लुक को एक्सेसराइज करने के लिए गोल्डन झुमके, कढ़ाईदार चोकर और ट्रेडिशनल बैंगल्स पहने। उनका हेयरस्टाइल खुला रखा गया था, जिससे बालों की नेचुरल स्मूदनेस और शाइन झलक रही थी।

नई नवेली दुल्हन हैं तो जान लें ऐसे स्टाइलिंग हैक्स, दिखेंगी बेहद खूबसूरत

नई नवेली दुल्हन के लिए शादी का दिन सबसे खास होता है। इस दिन हर लड़की चाहती है कि वह सबसे सुंदर दिखे। शादी की तैयारियों में अक्सर छोटी-छोटी बातें अनदेखी हो जाती हैं। इसलिए आज हम आपके लिए कुछ ऐसे स्टाइलिंग हैक्स लेकर आए हैं, जो आपकी शादी के दिन को और भी खास बना सकते हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप न सिर्फ सुंदर दिखेंगी, बल्कि आरामदायक भी महसूस करेंगी।

सही साड़ी चुनें : शादी के दिन साड़ी पहनना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। सही साड़ी का चुनाव करना बहुत जरूरी है। बनारसी साड़ी हमेशा अच्छा विकल्प होता है, लेकिन अगर आप उसे पहनने में असहज महसूस करती हैं तो शिफॉन या जॉर्जेट साड़ियां भी बेहतरीन होती हैं। इनकी हल्की वजन और आरामदायक होती हैं। इसके अलावा इनकी कढ़ाई भी बहुत सुंदर होती है, जो आपको शाही लुक देगी। अपने आराम को ध्यान में रखते हुए सही साड़ी चुनें।

ब्लाउज की फिटिंग पर दें ध्यान : ब्लाउज की फिटिंग बहुत अहम होती है। अगर आपका ब्लाउज थोड़ा ढीला या टाइट है तो उसे ठीक करवाना न भूलें। सही फिटिंग वाला ब्लाउज आपके लुक को और भी खास बनाएगा। इसके अलावा ब्लाउज के डिजाइन पर भी ध्यान दें। अगर आप पारंपरिक लुक चाहती हैं तो कढ़ाई वाला ब्लाउज चुनें, जो आपकी साड़ी के साथ मेल खाता हो। अगर आप आधुनिक अंदाज चाहती हैं तो नए डिजाइन वाले ब्लाउज आजमाएं।

बालों की स्टाइल पर दें ध्यान

बालों की स्टाइल भी आपके लुक का अहम हिस्सा होता है। शादी के दिन बालों को खुला रखना अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन अगर आपके बाल लंबे हैं तो उन्हें खुला रखना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में आप चोटी वाली स्टाइल आजमा सकती हैं, जो न केवल सुंदर दिखेगा बल्कि आरामदायक भी रहेगा। इसके अलावा आप अपने बालों में फूल या अन्य गहने लगा सकती हैं, जो आपको शाही लुक देंगे और आपको आरामदायक महसूस कराएंगे।

मेकअप पर दें ध्यान

शादी का मेकअप ऐसा होना चाहिए जो पूरे दिन टिके रहे और आपको सुंदर दिखाए। भारी मेकअप करने की बजाय हल्का मेकअप करें जिसमें फाउंडेशन, काजल, लिपस्टिक आदि शामिल हों। इसके अलावा अपने चेहरे पर थोड़ा-सा गुलाबी रंग जरूर लगाएं ताकि आपका चेहरा ताजा दिखे। इन स्टाइलिंग हैक्स को अपनाकर आप अपनी शादी के दिन न केवल सुंदर दिखेंगी बल्कि आरामदायक भी महसूस करेंगी। इसलिए इन टिप्स को ध्यान में रखते हुए अपनी शादी की तैयारियां पूरी करें।

सर्दियों की पार्टियों के लिए महिलाएं चुनें ऐसे आउटफिट, लगेंगी स्टाइलिश

फैशन

सर्दियों में पार्टी का मजा ही कुछ अलग होता है। इस मौसम में सही कपड़े पहनना बहुत जरूरी है ताकि आप न केवल गर्म रहें, बल्कि स्टाइलिश भी दिखें। इस लेख में हम कुछ ऐसे कपड़ों की बात करेंगे, जो सर्दियों की पार्टियों के लिए बेहतरीन हैं। ये कपड़े न केवल आरामदायक हैं, बल्कि आपको खास भी बनाएंगे।

ऊनी लंबी ड्रेस : ऊनी लंबी ड्रेस सर्दियों की पार्टियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यह न केवल आपको गर्म रखती है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाती है। आप इसे अलग-अलग रंगों और डिजाइनों में चुन सकती हैं। इसके साथ आप ऊनी जैकेट या शॉल भी पहन सकती हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएगा। लंबी ड्रेस के साथ ऊनी मोजे पहनें ताकि आपके पैर भी ठंड से सुरक्षित रहें और आप पूरी तरह आरामदायक महसूस करें।

कोट के साथ स्कर्ट : कोट के साथ स्कर्ट एक बढ़िया और फैशनेबल विकल्प हो सकता है। आप किसी भी रंग की स्कर्ट के साथ विपरीत रंग का कोट पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक खास लगेगा। इसके अलावा आप इसे ऊंची एड़ी वाले जूते के साथ पहन सकती हैं ताकि आपका लुक और भी आकर्षक लगे। अगर आप ठंड से बचना चाहती हैं तो इसके नीचे गर्म कपड़े पहन सकती हैं, जिससे आपको गर्माहट भी मिलेगी और आप स्टाइलिश भी दिखेंगी।

डेनिम जैकेट के साथ ड्रेस : डेनिम जैकेट हमेशा से ही फैशन में रही है और इसे आप सर्दियों की पार्टियों में भी पहन सकती हैं। एक खूबसूरत ड्रेस के ऊपर डेनिम जैकेट पहनकर आप एक आरामदायक लेकिन स्टाइलिश लुक पा सकती हैं। इसके साथ आप आरामदायक जूते या बूट्स पहन सकती हैं, जो आपके लुक को पूरा करेंगे। डेनिम जैकेट न केवल आपको आरामदायक महसूस करवाएगी, बल्कि ठंड से भी बचाएगी, जिससे आप पार्टी का पूरा आनंद ले सकें।

स्वेटर ड्रेस : स्वेटर ड्रेस एक आरामदायक और स्टाइलिश विकल्प हो सकता है। यह न केवल आपको गर्म रखेगा बल्कि आपको खास भी बनाएगा। आप इसे अलग-अलग रंगों में चुन सकती हैं, जो आपके चेहरे पर निखार लाएंगे। इसके साथ आप हल्के गहने पहन सकती हैं, जो आपके लुक को और भी आकर्षक बनाएगी। स्वेटर ड्रेस के साथ सॉफ्ट हेयरस्टाइल रखें ताकि आपका लुक और भी मनोहर लगे और आप पूरी तरह आरामदायक महसूस करें।

पैंट सूट : पैंट सूट हमेशा से ही पेशेवर और सुंदर दिखता आया है। अगर आपकी पार्टी ऑफिस से जुड़ी हो तो पैंट सूट सबसे अच्छा रहेगा। इसके साथ आप हल्के गहने और हाई हील्स फुटवियर्स पहन सकती हैं, जो आपके लुक को पूरा करेंगे।

फैशन के साथ सर्दियों में स्टाइल का हिस्सा बन सकती है शॉल, पहनकर लगेंगी सुंदर

सर्दियों के दौरान अपने लुक को आकर्षक बनाने के लिए आप शॉल पहन सकती हैं। भारतीय शॉल न केवल गर्माहट प्रदान करती हैं, बल्कि स्टाइल को भी खास बना देती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको कुछ ऐसी भारतीय शॉल के बारे में बताएंगे, जो आपके सर्दियों के कपड़ों का हिस्सा बन सकती हैं और आपको एक अलग लुक दे सकती हैं। इन शॉल की मदद से साधारण से साधारण आउटफिट भी खास बन जाएगा।

कश्मीरी पश्मीना शॉल : कश्मीरी पश्मीना शॉल अपनी कोमलता और गर्माहट के लिए जानी जाती हैं। ये शॉल न केवल ठंड से बचाती हैं, बल्कि उनकी डिजाइन भी बहुत आकर्षक होती हैं। पश्मीना ऊन से बनी ये शॉल लंबे समय तक चलती हैं और इन्हें संभालना भी आसान होता है। आप इन्हें पारंपरिक भारतीय पोशाक के साथ पहन सकती हैं या जींस-टीशर्ट के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं। इस शॉल को धोने के बजाय ड्राई क्लीन ही करवाना चाहिए।

कश्मीरी कढ़ाई वाले शॉल

कश्मीरी कढ़ाई वाली शॉल अपने बारीक कढ़ाई के काम के लिए मशहूर हैं। इन्हें बनाने में काफी समय लगता है, लेकिन इनकी खूबसूरती देखकर आप इनके आकर्षण को समझ सकेंगी। इन शॉल में फूल-पत्तियों जैसी कई प्रकार की डिजाइन बनाई जाती हैं, जो इनकी सुंदरता बढ़ा देते हैं।

दारजीनी शॉल : दारजीनी शॉल राजस्थान की खासियत मानी जाती हैं। इनका रंग-बिरंगा पैटर्न और मोटाई इन्हें बहुत ही खास बनाते हैं। ये शॉल राजस्थान के गांवों में हाथ से बनाए जाते हैं। ये बेहद गर्म होती हैं, जिसके चलते इन्हें ज्यादा ठंडी जगहों पर भी पहना जा सकता है। आप इन्हें पारंपरिक पोशाकों के साथ तो पेयर कर ही सकती हैं, साथ ही पश्चिमी कपड़ों के साथ भी लेयर कर सकती हैं।

स्टेटमेंट गहने खरीदते समय करें सही चयन आपके व्यक्तित्व पर लगाते हैं चार चांद

स्टेटमेंट गहने एक ऐसी विशेषता होती है, जो आपके लुक को खास और आकर्षक बनाती है। यह गहने न केवल आपके कपड़ों के साथ मेल खाती है, बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी उजागर करती है। जब आप स्टेटमेंट गहने खरीदते हैं तो कुछ बातें ध्यान में रखना जरूरी होता है ताकि आपका निवेश सही हो और आप सबसे बेहतरीन गहने पा सकें। आइए स्टेटमेंट गहने खरीदते समय ध्यान रखने योग्य बातें जानते हैं।

अपने स्टाइल को समझें : स्टेटमेंट गहने खरीदने से पहले अपने स्टाइल को समझना बहुत जरूरी है। यह जानना अहम है कि आपको किस तरह के गहने पहनने चाहिए, जो आपके व्यक्तित्व और कपड़ों के साथ अच्छी लगे।

उदाहरण के लिए, अगर आप पारंपरिक कपड़े पहनती हैं तो बड़े झुमके या हार अच्छे लग सकते हैं, वहीं अगर आप आधुनिक कपड़ों के साथ पहनना चाहती हैं तो सरल लेकिन आकर्षक डिजाइन वाले गहने चुनें।

गुणवत्ता पर दें ध्यान : स्टेटमेंट गहने खरीदते समय उनकी गुणवत्ता पर खास ध्यान देना चाहिए। सोने, चांदी या हीरे की बनी हुई गहने हमेशा बेहतर होती हैं क्योंकि इनमें लंबे समय तक टिकाऊपन होता है। इसके अलावा इनकी चमक भी बनी रहती है। नकली धातुओं से बने गहने जल्दी खराब हो सकते हैं और त्वचा पर एलर्जी भी हो सकती है इसलिए हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले गहने का चयन करें।

रंगों का मेल देखें : गहने खरीदते समय उनके रंगों का मेल देखना बहुत जरूरी होता है। अगर आपकी अधिकांश पोशाकें हल्के रंग की हैं तो चांदी या सफेद रंग के गहने चुनें, वहीं गहरे रंग की पोशाकों के साथ सोने के गहने अच्छे लगते हैं। इसके अलावा अगर आप रंग-बिरंगे गहने पसंद करती हैं तो अपनी पसंदीदा रंगों को ध्यान में रखते हुए कई रंगों वाले स्टोन गहने चुन सकती हैं।

कार्नर न्यूज

सर्दियों के दौरान महिलाएं ठंड से बचने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखना चाहती हैं

सर्दियों में अलग-अलग ड्रेस के साथ पहनें ऐसी जैकेट जिससे लुक बन जाए शानदार

सर्दियों के दौरान महिलाएं ठंड से बचने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखना चाहती हैं। अगर ठीक तरह से स्टाइल की जाएं तो इस मौसम में ड्रेस भी पहनी जा सकती हैं। हालांकि, अलग-अलग प्रकार की ड्रेस के साथ अलग-अलग तरह की जैकेट लेयर करनी चाहिए। ऐसा करने से लुक आकर्षक लगता है और ठंड से भी बचाव हो जाता है। आज के फैशन टिप्स में जानिए आपको किस ड्रेस के साथ कौन-सी जैकेट पहननी चाहिए।

शार्ट ड्रेस के साथ डेनिम जैकेट

सर्दियों में आप शार्ट ड्रेस भी पहन सकती हैं, अगर उसके ऊपर डेनिम जैकेट लेयर की जाए तो। यह जैकेट जींस के यानि डेनिम के कपड़े से बनी होती है और इसकी लंबाई छोटी या क्रॉप होती है। शार्ट ड्रेस के साथ इसे पहनने से एक आदर्श फिट बनेगा, जो बनावटी नहीं लगेगा। आप डेनिम जैकेट को फ्रॉक वाली लंबी ड्रेस के साथ भी पेयर कर सकती हैं। अपनी ड्रेस से मेल खाते शेड वाली डेनिम जैकेट चुनना सही रहेगा।

मैक्सी ड्रेस के साथ ब्लेजर

अगर आप मैक्सी ड्रेस पहनने वाली हैं तो उसके ऊपर ब्लेजर पहनकर आपका लुक पूरा हो जाएगा। मैक्सी ड्रेस पूरे शरीर को ढकती है और ठंड के लिए आदर्श रहती है। इसके साथ ब्लेजर पेयर करके आपको एक एलिगेंट और औपचारिक लुक मिल जाएगा। सैटिन के कपड़े से बनने वाली मैक्सी ड्रेस के साथ ब्लेजर सबसे आकर्षक लगते हैं। आप अपनी पसंद के मुताबिक छोटा या लंबा ब्लेजर चुन सकती हैं।

बॉडी कॉन ड्रेस के साथ लेदर जैकेट

सर्दियों के दौरान लड़कियां ऊनी कपड़े से बनने वाली बॉडी कॉन ड्रेस पहनना पसंद करती हैं। इस तरह की ड्रेस शरीर से चिपकी हुई होती हैं, जिनमें कर्व्स निखरकर नजर आते हैं। बॉडी कॉन ड्रेस के साथ आपको लेदर की जैकेट का मेल बैठाना चाहिए। गहरे रंग वाली ड्रेस चुनें और उसके साथ काली, भूरी, चेरी लाल या मेहरून रंग की लेदर जैकेट स्टाइल करें। इन दिनों लंबी और ओवरसाइज्ड लेदर जैकेट ज्यादा चलन में हैं।

पारंपरिक ड्रेस के साथ एथनिक जैकेट

इन दिनों इंडो-वेस्टर्न और पारंपरिक प्रिंट वाली ड्रेस का भी खूब चलन है। इन्हें एथनिक जैकेट के साथ पहनकर आप सर्दियों का एक बढ़िया आउटफिट बना सकता है। इस तरह की जैकेट पर कढ़ाई का काम किया जाता है और पारंपरिक प्रिंट होते हैं। यह आउटफिट किसी भी शादी, पार्टी या त्योहार पर आपको सबसे अलग और खूबसूरत दिखने में मदद कर सकता है। इसके साथ पारंपरिक जेवर स्टाइल करके लुक को पूरा करें।

फ्लोई ड्रेस के साथ क्रॉप जैकेट

अगर आप फ्लोई ड्रेस पहन रही हैं तो उसके साथ क्रॉप जैकेट पहनना सही रहेगा। इस तरह की ड्रेस फ्रॉक जैसी दिखती है और हल्के कपड़े से बनती है। इसके साथ किसी भी कपड़े से बनी क्रॉप जैकेट शानदार लग सकती है। आप फ्लोई ड्रेस के ऊपर क्रॉप पफर, क्रॉप फ्लैनेल, क्रॉप डेनिम, क्रॉप स्वेटर या क्रॉप लेदर जैकेट लेयर कर सकती हैं।